देहरादून,पौड़ी–गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित
www.page3news.in
नगर संस्करण वर्ष 19 अंक: 145 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

देहरादून, बुधवार, 11 सितंबर 2024

पेज थ्री

विचार–प्रवाह...
चुनाव प्रचार में भारत विरोध

मौसम अधिकतम 30.0° न्यूनतम 24.0°

79924.77

2 बदला ले पाएंगी डेमोक्रेटिक उम्मीदवार?

7 रिंकू सिंह, रिंकू सिंह, पांच छक्के

...तो हम आरक्षण खत्म करने के बारे में सोचेंगे

राहुल ने अमेरिका से एजेंडा सेट किया और खुद घिर गए?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अमेरिका दौरे पर हैं। उन्होंने अमेरिका की जमीन से बीजेपी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरएसएस से लेकर मोदी को घेरने की कोशिश की। आरक्षण और चुनाव आयोग पर बात की। राहुल ने सिख धर्म की आजादी को लेकर बयान दिया, जिसपर बीजेपी ने तीखी प्रतिक्रिया जताई है। बीजेपी ने इसे राहुल गांधी द्वारा विदेश में भारत की छवि बदमान करने की कोशिश बताया। इसके अलावा राहुल ने भारत को कमतर आंकते हुए चीन की तारीफ कर दी। इन सब बयानों को लेकर बीजेपी ने राहुल गांधी समेत पूरी कांग्रेस को आड़े हाथ लिया है। राहुल गांधी ने अमेरिका में जिस एजेंडा को सेट करने की कोशिश की, लेकिन क्या वो खुद अब उसमें घिर चुके हैं?

राहुल गांधी ने एक सवाल के जवाब में आरक्षण खत्म करने को लेकर कहा कि कांग्रेस आरक्षण खत्म करने के बारे में तब सोचेगी, जब सही समय होगा, अभी सही समय नहीं है। जब आप वित्तीय आंकड़ों को देखते हैं, तो आदिवासियों को 100 रुपये में से 10 पैसे मिलते हैं, दलितों को 100 रुपये में से 5 रुपये मिलते हैं और ओबीसी को भी लगभग इतनी ही रकम मिलती है। असलियत यह है कि इन्हें भागीदारी नहीं मिल रही है। भारत के हर एक बिजनेस लीडर की लिस्ट देखें। मुझे आदिवासी, दलित का नाम दिखाएं।

इसके अलावा राहुल गांधी ने अमेरिका दौरे पर भारत को कमतर आंकते हुए चीन की तारीफ की। उन्होंने कहा, श्एक तरफ जहां भारत में बेरोजगारी एक विकट समस्या का रूप धारण करती जा रही है। चाहे उस देश में कोई भी समस्या क्यों न चल रही हो, लेकिन उसने हमें कपड़ा उद्योग में पीछे छोड़ दिया है।

इसके अलावा राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव के लिए सभी को समान अवसर उपलब्ध नहीं कराए गए। राहुल ने कहा कि मैं इसे स्वतंत्र चुनाव नहीं मानता हूं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि आरएसएस कुछ धर्मों, भाषाओं और समुदायों को अन्य की तुलना में कमतर मानता है।

बीजेपी ने राहुल को बताया लोकतंत्र का काला धब्बा

राहुल गांधी के अमेरिका में दिए गए बयान कांग्रेस पर उल्टे पड़ते दिखाई दे रहे हैं। बीजेपी समेत कई पार्टियां राहुल गांधी को घेर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राहुल गांधी पर अमेरिका में दिए गए उनके बयानों को लेकर हमला बोला और कहा कि विदेशी धरती पर इस तरह से देश की छवि खराब करना राष्ट्र–विरोधी कृत्य है। बीजेपी प्रवक्ता ने राहुल गांधी को भारतीय लोकतंत्र के लिए 'काला धब्बा' करार दिया। बीजेपी प्रवक्ता गौरव भाटिया ने राहुल गांधी पर विदेश में अपनी टिप्पणियों से भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया।

सिख धर्म की आजादी को लेकर दिया बयान

राहुल गांधी के जिस बयान पर सबसे ज्यादा बवाल मचा हुआ है वो सिख धर्म से संबंधित है। दरअसल नेता विपक्ष ने अमेरिका में एक सिख व्यक्ति से पूछा, 'मेरे पगड़ीधारी भाई आपका क्या नाम है।' कांग्रेस नेता ने कहा, 'लड़ाई इस बात की है कि क्या एक सिख को भारत में पगड़ी या कड़ा पहनने का अधिकार है या नहीं। या एक सिख के रूप में वह गुरुद्वारा जा सकते हैं या नहीं। लड़ाई इसी बात के लिए है और यह सिर्फ उनके लिए ही नहीं बल्कि सभी धर्मों के लिए है।'

कांग्रेस केंद्र की सत्ता में आते ही खत्म कर देगी आरक्षणः मायावती

बसपा सुप्रीमो मायावती ने आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस पर कटाक्ष किया है। पूर्व सीएम मायावती ने कहा, केंद्र में काफी लंबे समय तक सत्ता में रहते हुए कांग्रेस पार्टी की सरकार ने ओबीसी आरक्षण को लागू नहीं किया और ना ही देश में जातीय जनगणना कराने वाली यह पार्टी अब इसकी आड़ में सत्ता में आने के सपने देख रही है। इनके इस नाटक से सचेत रहें जो आगे कभी भी जातीय जनगणना नहीं करा पाएगी। उन्होंने कहा, लोग कांग्रेस नेता राहुल गांधी के दिए गए इस घातक बयान से सावधान रहें, क्योंकि यह पार्टी केंद्र की सत्ता में आते ही, अपने इस बयान की आड़ में इनका आरक्षण जरूर खत्म कर देगी।

संक्षिप्त समाचार

बीजेपी ने 21 प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने मंगलवार को 21 प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी की है। भाजपा ने जुलाना सीट से युवा व नया चेहरा उतारा है। जुलाना सीट से कांग्रेस उम्मीदवार महिला पहलवान विनेश फोगाट के सामने भाजपा ने कैप्टन योगेश बैरागी को उतारा है। कैप्टन योगेश बैरागी ने डेढ़ साल पहले राजनीति में कदम रखा था। इससे पहले वे एयर इंडिया में सीनियर कैप्टन के पद पर कार्यरत थे।

मणिपुर में फिर तनाव, इंटरनेट और स्कूल–कॉलेज भी बंद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। मणिपुर सरकार ने राज्य में कानून–व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति के मद्देनजर इंटरनेट सेवाओं पर 5 दिन के लिए पाबंदी लगा दी है। सरकार ने आशंका जताई है कि कुछ असामाजिक तत्व सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर सकते हैं, जिससे घृणा फैलाने वाले संदेश और तस्वीरें प्रसारित हो सकती हैं।

न्याय से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध

सीएम ने बार एसोसिएशन देहरादून के नवीन भवन का शिलान्यास और भूमि पूजन किया

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को न्यायिक परिसर (पुरानी जेल) देहरादून में बार एसोसिएशन देहरादून के नवीन भवन का शिलान्यास और भूमि पूजन किया। मुख्यमंत्री ने सभी अधिवक्तागणों को नए चौम्बर भवन के शिलान्यास की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन बहुत ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उत्तराखंड सहित पूरे देश में न्यायिक इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े कार्य को मजबूत करने का काम अनवरत रूप से किया जा रहा है। पिछले दस वर्षों में मोदी सरकार ने न्यायिक इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 8000 करोड़ से ज्यादा की धनराशि खर्च की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने अंग्रेजों के जमाने के तमाम कानूनों को हटाकर आज की नई आवश्यकता के अनुसार नए कानूनों को लागू किया है। इन कानूनों के लागू होने के बाद न्याय की अवधारणा को और भी अधिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि नए कानूनों के तहत इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल रिकॉर्ड को भी मजबूत सबूत के रूप में मान्यता मिली है, जो कि आज की डिजिटल क्रांति के समय में अहम है। इससे सभी अधिवक्ताओं को अपना पक्ष कोर्ट में आसानी से रखने में सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी प्रकार राज्य के अंदर प्रदेश में जितने भी न्याय से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर हैं उन्हें मजबूत करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।

सीएम ने कहा कि दून बार एसोसिएशन के चौम्बर भवन की मांग भी काफी लंबे समय से चल रही थी, इसके संबंध में बार एसोसिएशन के साथ अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के पदाधिकारियों ने भेंट कर नए भवन हेतु जमीन की मांग की थी। सीएम ने कहा कि यहां पर कुल साढ़े पांच हजार से ज्यादा लोग कार्यरत हैं।

उत्तराखंड की पहचान जीरो टॉलरेंस रखने वाले राज्य की

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने नकल विरोधी कानून के अलावा धर्मांतरण कानून, दंगा रोधी आदि कानूनों को लागू किया है। इनके लागू हो जाने से आज देश भर में उत्तराखंड की पहचान एक अनुशासित और अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस रखने वाले राज्य के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य में 09 नवम्बर 2024 से पहले समान नागरिक संहिता लागू की जायेगी।

20 किलोमीटर तक कोई टोल नहीं, गुड बाय फास्टैग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने जीपीएस आधारित टोल प्रणाली को मंजूरी दे दी है। इससे टोल प्लाजा पर रुकना नहीं पड़ेगा। यह नई प्रणाली आपके सफर को आसान बनाएगी। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने मंगलवार को नेशनल हाईवे फीस नियम, 2008 को संशोधित किया है। इसमें सैटेलाइट–आधारित सिस्टम के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह को शामिल किया गया है। इस नए सिस्टम से अब गाड़ियों से जीपीएस के जरिए टोल वसूला जाएगा। यह फास्टैग की तरह ही होगा। लेकिन, इसमें गाड़ी के चलने की दूरी के हिसाब से टोल लगेगा। इस नए नियम के मुताबिक, अब जीपीएस और ओनबोर्ड यूनिट के जरिए टोल वसूला जा सकेगा। यह फास्टैग और ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकॉग्निशन तकनीक के अलावा होगा।

इन बदलावों से ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम यानी जीएनएसएस ओबीयू से लैस वाहन तय की गई दूरी के आधार पर ऑटोमैटिक टोल का भुगतान कर सकेंगे। 2008 के नियमों के नियम 6 को बदल दिया गया है ताकि जीएनएसएस वाले वाहनों के लिए टोल प्लाजा पर विशेष लेन बनाई जा सके। इससे उन्हें मैन्युअल टोल भुगतान के लिए रुकने की जरूरत नहीं होगी।

ऐलान

■केंद्र ने राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क नियमों में किया बड़ा संशोधन

यह फास्टैग से कैसे अलग

ओन–बोर्ड यूनिट या ट्रैकिंग उपकरणों से लैस वाहनों से राजमार्गों पर तय की गई दूरी के आधार पर शुल्क लिया जाएगा। डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग हाईवे के कोर्डिनेट्स रिकॉर्ड करती है। वहीं, गैंटरियों पर स्थापित सीसीटीवी कैमरे वाहन की स्थिति की पुष्टि करके अनुपालन सुनिश्चित करते हैं। इससे निर्बाध टोल कलेक्शन संभव हो जाता है।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

साइबर ठगों की आने वाली है शामत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश में साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए कई नए कदमों की घोषणा की है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने साइबर ठगों पर नकेल कसने के लिए 5,000 साइबर कमांडोश को प्रशिक्षित करने, एक वेब–आधारित डेटा रजिस्ट्री स्थापित करने और साइबर अपराध की जानकारी साझा करने के लिए एक राष्ट्रीय पोर्टल बनाने का ऐलान किया है। गृह मंत्री शाह ने भविष्य में साइबर अपराधों को रोकने के लिए संदिग्धों की एक राष्ट्रीय रजिस्टर बनाने की भी बात कही है।

उन्होंने कहा कि साइबर अपराध कोई सीमा नहीं देखते इसलिए साइबर सुरक्षा के बिना राष्ट्रीय सुरक्षा असंभव है। मंगलवार को शाह ने कहा कि तकनीक मानव जीवन के लिए आशीर्वाद है लेकिन तकनीक के बढ़ते उपयोग से कई खतरे भी पैदा हो रहे हैं , इसीलिए साइबर सुरक्षा अब केवल डिजिटल दुनिया तक सीमित न रहकर राष्ट्रीय सुरक्षा का अहम पहलू भी बन गई है। साइबर सुरक्षा के बिना किसी भी देश का विकास असंभव है।

■5000 साइबर कमांडो, ऑनलाइन रजिस्टर

न्यूज डायरी

भारत से हर 5 मिनट पर लॉयल्टी टेस्ट नहीं मांग सकते

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री कोंडोलीजा राइज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूस यात्रा को लेकर की जा रही चिंताओं को खारिज किया है। इंडस–एक्स शिखर सम्मेलन में बोलते हुए पूर्व अमेरिकी राजनेता ने कहा कि अमेरिका हर पांच मिनट में भारत से वफादारी की परीक्षा नहीं ले सकता है। उन्होंने भारत–अमेरिका संबंधों को स्थायी और द्विदलीय बताया और जोर दिया कि वॉइट हाउस में जो भी आता है, वह इस रिश्ते के महत्व को जानता है। उन्होंने कहा, श्जैसा कि भारत कहता है, देश रणनीतिक स्वायत्तता चाहते हैं और मुझे इससे कोई समस्या नहीं है।श इसके साथ ही उन्होंने भरोसा जताया कि अमेरिका और भारत के गहरे हित अंततः एक मजबूत साझेदारी की ओर ले जाएंगे। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के हूवर इंस्टीट्यूट की निदेशक राइस ने रूस के सैन्य उपकरणों को कबाड़ बताया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की मॉस्को यात्रा से रक्षा के मामले में कोई खास फायदा नहीं होगा। उन्होंने इस बात का भी संकेत किया कि अमेरिका यह समझता है कि वह भारत के साथ सैन्य सहयोग बढ़ाने में धीमा रहा है और उसने कुछ महत्वपूर्ण समय और अवसर खो दिए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पीएम मोदी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के पुतिन की दोस्ती को जानते हैं और यह भारत के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकता है।

कनाडा की ट्रूडो सरकार ने भारतीयों पर की बड़ी चोट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ओट्टावा। कनाडा की ट्रूडो सरकार विदेशी कामगारों की संख्या में बड़ी कटौती करने जा रही है। आगामी 26 सितम्बर से नए नियम के तहत कनाडा में कंपनियां अपने कम वेतन वाले कर्मचारियों में केवल 10 प्रतिशत विदेशी कामगारों को रख सकेंगी। यह एक बड़ी कटौती है, क्योंकि इसके पहले वर्कफोर्स में 20 प्रतिशत इसी श्रेणी के विदेशी कामगारों को रखा जा सकता था। कनाडा की जस्टिन ट्रूडो सरकार ने देश में बढ़ती बेरोजगारी को लेकर बढ़ रहे दबाव से निपटने के लिए ये फैसला लिया है। आइए जानते हैं कि इस फैसले का असर कनाडा में अस्थायी विदेशी श्रमिक कार्यक्रम के तहत काम करने वाले भारतीयों पर किस तरह पड़ेगा और उन्हें आगे क्या करना चाहिए? लेकिन इसके पहले कनाडा के टीएफडब्ल्यू प्रोग्राम के बारे में समझते हैं। टेम्पेरेरी फॉरेन वर्कर यानी टीएफडब्ल्यू प्रोग्राम कनाडा में कंपनियों को योग्य कनाडाई लोगों के न मिलने पर अस्थायी रूप से विदेशी कामगारों को रखने की अनुमति देता है। यह अवधि आम तौर पर दो साल तक के लिए होती है। कंपनियों या नियोक्ता को ये दिखाना होता है कि उन्होंने विदेशी लोगों को रखने के पहले कनाडाई कामगारों की भर्ती का पूरा प्रयास किया है। टीएफडब्ल्यू प्रोग्राम को केवल तभी उपयोग करने के लिए डिजाइन किया गया है, जब योग्य कनाडाई स्थायी निवासियों के साथ ही शरणार्थी और शरण चाहने वाले रिक्तियों को भरने में सक्षम नहीं हैं।

यूपी–हरियाणा से इजरायल पहुंचे वर्कर्स का बुरा हाल, विदेश में भारी किरकिरी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेल अवीव। गाजा युद्ध शुरू होने के बाद इजरायल ने 1 लाख से अधिक फलस्तीनी वर्कर्स को अपने यहां काम करने से रोक दिया। इन मजदूरों की मदद से इजरायल में कंस्ट्रक्शन सेक्टर आगे बढ़ रहा था। फलस्तीनी मजदूरों के नहीं आने से इजरायल में घरों में निर्माण कार्य ठप हो गया। इसके बाद इजरायल के उद्योगों के दबाव में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार ने भारत से हजारों वर्कर्स को बुलाने के प्लान को मंजूरी दी। यूपी, हरियाणा और दक्षिण भारत से हजारों की तादाद में कंस्ट्रक्शन वर्कर्स की भर्ती की गई। हमास, हिज्बुल्ला और ईरान के हमलों के बीच जान जोखिम में डालकर भारतीय मजदूर इजरायल पहुंचे लेकिन अब वहां के उद्योग कई भारतीय वर्कर्स के प्रदर्शन से खुश नहीं हैं। आलम यह है कि इजरायल के उद्योग अब चीन के वर्कर्स को बुला रहे हैं और भारतीयों से लेबर का काम करा रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल ने भारत के साथ दोस्ती को देखते हुए इन अकुशल भारतीय मजदूरों को अकुशल या कंस्ट्रक्शन उद्योग से इतर उद्योगों में उन्हें तैनात करना शुरू कर दिया है।

ट्रंप और कमला हैरिस के बीच महामुकाबले का मंच तैयार

रिपोर्ट

क्या बाइडन की हार का बदला ले पाएंगी डेमोक्रेटिक उम्मीदवार?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस और रिपब्लिकन उम्मीदवार पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मंगलवार रात एक दूसरे के आमने–सामने होंगे। हैरिस और ट्रंप राष्ट्रपति चुनाव में एक दूसरे के सामने पहली राष्ट्रपति बहस के लिए तैयार हैं, जो संभवतः दोनों के बीच एकमात्र बहस होगी। इस दौरान दोनों नेताओं पर देश को लेकर मतदाताओं के सामने अपना नजरिया बताने का भारी दबाव होगा। इस बहस का आयोजन पेंसिल्वेनिया के फिलाडेल्फिया में रात नौ बजे किया जाएगा। भारतीय समयानुसार यह बुधवार सुबह साढ़े 6 बजे होगी। यह बहस जून में डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच हुई पिछली बहस के बाद हो रही है। इसी बहस में बेहद खराब प्रदर्शन के बाद बाइडन को वॉइट हाउस की उम्मीदवारी से हटना पड़ा था। इसने कमला हैरिस के लिए उम्मीदवारी का रास्ता साफ कर दिया था।

इस बहस में हैरिस यह दिखाना चाहती हैं कि वह डोनाल्ड ट्रंप के मुकाबले डेमोक्रेटिक पार्टी के अभियान को बाइडन की तुलना में बेहतर तरीके से चला सकती हैं। अमेरिकी मीडिया आउटलेट एनबीसी ने बताया है कि बहस की तैयारियों के लिए कमला हैरिस गुरुवार से ही फिलाडेल्फिया के होटल में मौजूद हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, हैरिस के सहयोगियों ने टीवी लाइटिंग और एक डमी मंच तैयार किया हैं, जिस पर एक सलाहकार को डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका में उनके सामने खड़ा किया गया है। हैरिस इस डिबेट में खुद को अमरिका जनता के सामने व्यापक तरीके से पेश करने के तरीके भी तलाश रही हैं। इस बारे में भी रणनीति बन रही है कि मंच पर डोनाल्ड ट्रंप से हाथ मिलाना है या नहीं, या फिर किस तरह से मिलाना है। सूत्रों के हवाले से बताया कि हैरिस खुद को ट्रंप से अपमानजनक टिप्पणी के लिए भी खुद को तैयार कर रही है। डोनाल्ड ट्रंप के सहयोगियों का कहना है कि इस बार भी बाइडन की बहस की तरह ही होगा। सहयोगियों का कहना है कि डोनाल्ड ट्रंप बहस के लिए कोई खास तैयारी नहीं करेंगे। श्कोई स्टैंड–इन नहीं है, कोई सेट नहीं है, कोई नाटक नहीं है। पॉलिटिको के अनुसार, फ्लोरिडा के रिपब्लिकन मैट गेट्ज और उनके सहयोगी बहस के लिए डोनाल्ड ट्रंप की सहायता कर रहे हैं।

जानकारों के हवाले से बताया है कि पूर्व डेमोक्रेटिक सांसद तुलसी गबार्ड भी ट्रंप की टीम का हिस्सा हैं। गबार्ड को ट्रंप की मदद करने के लिए खास तौर से लाया गया है। वह हैरिस को अच्छे से जानती हैं। साल 2020 में डेमोक्रेटिक नामांकन की रेस में दोनों ने बहस की थी।

अमेरिका और चीन की सेना आई एक साथ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज बीजिंग। चीन और अमेरिका एक दूसरे के विरोधी हैं। लेकिन फिर भी दोनों देशों की सेनाएं आपस में मिलिट्री एक्सरसाइज कर रही हैं। अमेरिका और चीन ने पहली बार ब्राजीलियाई सशस्त्र बलों के नेतृत्व में संयुक्त सैन्य अभ्यास ऑपरेशन फॉर्मोसा में भाग लेने के लिए अपने सैनिकों को भेजा है। पिछले साल ऑपरेशन फॉर्मोसा में दक्षिणी कमान के अमेरिकी सैनिकों ने हिस्सा लिया था। जबकि चीन ने पर्यवेक्षक के रूप में हिस्सा लिया था। 1998 से आयोजित किया जा रहा ऑपरेशन फॉर्मोसा लैटिन अमेरिका के सबसे बड़े सैन्य अभ्यासों में से एक है। हालांकि यह पहली बार है जब चीन और अमेरिका दोनों ने अपने सैनिकों को इसमें हिस्सा लेने के लिए भेजा है।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक ब्राजीलियाई सेना के प्रवक्ता ने कहा कि चीनी नौसेना के 33 और अमेरिकी नौसेना के 54 लोग इस साल ऑपरेशन फॉर्मोसा में हिस्सा ले रहे हैं। यह अगले मंगलवार तक जारी रहेगा। ब्राजील के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि अर्जेंटीना, फ्रांस, इटली, मैक्सिको, नाइजीरिया, पाकिस्तान, कांगो गणराज्य और दक्षिण अफ्रीका के सैनिकों समेत लगभग 3000 सैन्यकर्मी इसमें हिस्सा ले रहे हैं। ब्राजील की नौसेना ने कहा कि इन अभ्यासों में हिस्सा लेने के लिए मित्र राष्ट्रों को आमंत्रित करने की प्रथा है।

वियतनाम में तूफान यागी ने मचाई तबाही

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) हनोई। वियतनाम में आए सुपर टाइफून यागी ने भारी तबाही मचाई है। उत्तरी वियतनाम में इस तूफान के कारण एक व्यस्त पुल ढह गया। शनिवार को वहीं भूस्खलन के कारण 60 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। पुल के गिरने के दौरान का फुटेज सामने आया है। एक कार के डैशकम फुटेज में पुल का गिरना रिकॉर्ड हो गया। फुटेज में दिख रहा है कि फू थो प्रांत में फोंग चाऊ पुल टूट गया। इस कारण कार के आगे चल रहे कई वाहन पानी में गिर गए। एक ट्रक भी गिर गया। 13 लोगों की तलाश की जा रही है। तूफान ने देश के उत्तर में तबाही मचाई है, जिससे 15 लाख लोग बिना बिजली के रह रहे हैं। वियतनाम की एक समाचार एजेंसी के हवाले से बताया कि प्राकृतिक आपदाओं के कारण 247 लोग घायल हुए हैं। इनमें से 157 क्वांग मिन्ह प्रांत से और 40 लोग हाई फोंग शहर से हैं।

बांग्ला पहचान को मिटाने को तैयार है कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। राष्ट्रगान, किसी भी देश की संस्कृति, सभ्यता, जीवन शैली और विशिष्ट इतिहास को प्रदर्शित करने का बड़ा माध्यम है। इसके प्रत्येक शब्द का नागरिकों पर जादुई असर होता है जो देश को हर परिस्थिति में जोड़ देता है तथा सशस्त्र बलों का हौंसला बढ़ाता है। राष्ट्रगान का संबंध देश की पहचान से होता है। अतः इस पर राजनीतिक मतभेद नहीं होते और यह सबके द्वारा स्वीकार किया जाता है। लेकिन बांग्लादेश में राजनीतिक परिवर्तन के साथ ही वहां पहचान का संकट भी गहरा गया है। साल 1971 में पाकिस्तान से अलग होकर बना यह देश धार्मिक कट्टरता के जाल में उलझकर अपनी पहचान को ही खत्म करने को आमादा नजर आ रहा है। बांग्लादेश की इस्लामिक पहचान को स्थापित करने की कोशिशों में लगे जमात–ए–इस्लामी नामक राजनीतिक दल ने देश के राष्ट्रगान आमार सोनार बांग्ला को बदलने की मांग की है। जमात–ए–इस्लामी को यह राष्ट्रगान वर्तमान बांग्लादेश के लिए अप्रासंगिक नजर आ रहा है।

पाकिस्तान में बांग्ला भाषियों से गहरी नफरत

गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर ने इसे बंगाल विभाजन के समय साल 1906 में लिखा था जब धर्म के आधार पर अंग्रेजों ने बंगाल को दो भागों में बांट दिया था। यह गीत बंगाल के एकीकरण के लिए माहौल बनाने के लिए लिखा गया था। टैगोर की जड़ें बांग्लादेश से जुड़ी हुई हैं और उन्होंने अपने गीत में बंगाल को सोने जैसा, सुगंधित फूलों जैसा और प्राणों से ज्यादा प्रिय बताया था। इस गीत की रचना उन्होंने बांग्ला भाषा में ही की थी और बांग्लादेश ने साल 1972 में इस गीत की प्रथम 10 पंक्तियों को राष्ट्रगान के रूप में स्वीकार किया था। बाद में जमात–ए– इस्लामी के कई नेताओं को पाकिस्तान की सेना का साथ देने के अपराध के कारण बांग्लादेश में सजा भी हुई। अब शेख हसीना के तख्तापलट के बाद एक बार फिर जमात–ए–इस्लामी देश में मजबूत हो गई है और वह बांग्ला पहचान को मिटाने की कोशिशों में लग गई है।

उत्तर कोरिया ने परमाणु हथियार के विस्तार का ऐलान किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) प्योंगयांग। उत्तर कोरिया ने एक बार फिर पूरे दुनिया की टेंशन बढ़ा दी है। उत्तर कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन ने अब परमाणु हथियारों की संख्या में तेजी लाने का फैसला किया है। मंगलवार को उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने यह जानकारी दी है। किम जोंग ने अपनी परमाणु क्षमताओं में तेजी से विस्तार करने के अलावा अपने सैनिकों को युद्ध के लिए तैयार करने की कसम खाई। किम जोंग ने अमेरिका और उसके सहयोगियों पर कोरियाई प्रायद्वीप में परमाणु हथियारों वाले सैन्य गुट को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उत्तर कोरिया के 76वें स्थापना वर्षगांठ के मौके पर उन्होंने एक भाषण दिया। किम जोंग उन ने मंगलवार को कहा कि वह अपनी परमाणु ताकत को युद्ध के लिए पूरी तरह से तैयार करेंगे। यह तैयारी ऐसी होगी कि कभी भी हमला किया जा सके।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous

Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

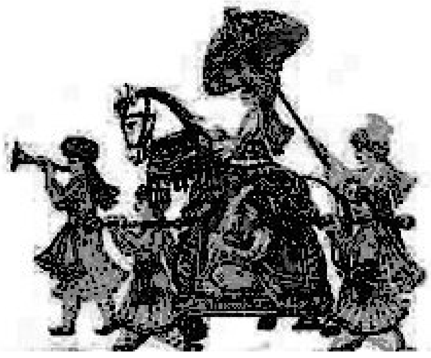

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

जनता की समास्यों के निस्तारण को लीग से हटकर काम करें अधिकारी

जन संवाद

गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी ने जन संवाद कार्यक्रम एवं तहसील दिवस में सुनी क्षेत्र की समस्याएं

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी की अध्यक्षता में जन संवाद एवं तहसील दिवस का आयोजन मंगलवार को ऊखीमठ ब्लॉक में किया गया। इस दौरान उन्होंने केदार घाटी सहित क्षेत्र के लोगों से संवाद किया एवं उनकी समस्याएं सुनी। इस दौरान क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि एवं आम जनमानस द्वारा 96 शिकायतें दर्ज कराई गई जिसमें से 34 का मौके पर निस्तारण किया गया जबकि अन्य को संबंधित विभागों को निस्तारण हेतु भेजा गया। उन्होंने जनपद के अधिकारी कर्मचारियों को संवाद के दौरान तय समय सीमा में सभी समस्याओं का निस्तारण करने के निर्देश दिए।

सांसद ने कहा कि पारंपरिक कार्यप्रणाली से जनता से जुड़े हर समस्या निस्तारित होना संभव नहीं इसके लिए अतिरिक्त परिश्रम करने की जरूरत है। अंतिम व्यक्ति तक विकास परक योजनाएं पहुंचाने के लिए अधिकारियों को लीग से हटकर कार्य करना होगा।

जन संवाद कार्यक्रम एवं तहसील दिवस में ग्राम प्रधान उषाडा ने ग्राम सभा में बने खेल मैदान के विस्तारीकरण की मांग सांसद निधि से करने की मांग की। इसके साथ ही ग्राम सभा के ताला तोक में भूधासव के चलते यहां निवासरत लोगों को बने हुए खतरे की समस्या उठाई। ग्राम प्रधान रांसी ने गांव के इंटर कॉलेज में शिक्षक न होने की शिकायत करते हुए जल्द तैनाती की मांग की। सदस्य जिला पंचायत गणेश तिवारी ने पिछले महीने अतिवृष्टि के चलते हुए जानमाल के नुकसान, घोड़े खच्चरों की मौत एवं अन्य नुकसान के लिए उचित मुआवजा देने की मांग की। प्रधान दौड़ा ने ताला मोटर मार्ग पर 16 वर्षों से डामरीकरण न होने की शिकायत करते हुए सड़क डामरीकरण की मांग की। साथ ही इंटर कॉलेज दौड़ा में रिक्त पड़े चार शिक्षक पदों पर जल्द नियुक्ति की मांग की। क्षेत्र पंचायत सदस्य कोटमा ने सिद्धपीठ कालीमठ में महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम बनाने की मांग की। इसके साथ ही कलीमठ सड़क को दुरुस्त करने की मांग की। उन्होंने इंटर कॉलेज कोटमा में जल्दी रिक्त शिक्षक पदों पर नियुक्ति की मांग भी की। केदारघाटी से आए व्यापारी एवं स्थानीय लोगों ने चारधाम यात्रा के लिए पंजीकरण व्यवस्था खत्म करने की मांग की। ग्राम प्रधान उनियाणा ने इंटर कॉलेज से एक साथ सात शिक्षकों का तबादला होने के चलते स्कूल में पढ़ाई बाधित होने की शिकायत करते हुए जल्दी शिक्षकों की नियुक्ति की मांग की। सदस्य जिला पंचायत विनोद राणा ने कहा कि कालीमठ घाटी में दूरसंचार व्यवस्थाएं खराब हैं जिन्हें दुरुस्त करना बेहद जरूरी है। कहा कि कालीमठ वार्ड के कई गांव सड़क से नहीं जुड़े हैं जिनमें सड़क पहुंचना अति आवश्यक है। उन्होंने जाल चौमासी में खेल मैदान बनवाने की मांग भी की। सरपंच वन पंचायत ऊखीमठ द्वारा क्षेत्र में पानी आपूर्ति की समस्या से अवगत करवाया गया। सांसद अनिल बलूनी ने संवाद कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों को आश्वस्त किया कि संवाद कार्यक्रम में प्राप्त सभी समस्याओं का निराकरण निर्धारित समय पर कर दिया जाएगा।

न्यूज डायरी :

गोविंद बल्लभ पंत की जयंती और शहीद वीर अब्दुल हमीद की पुण्यतिथि पर याद किया

संवाददाता देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति के कार्यालय कावली रोड पर समिति के पदाधिकारियो ने भारत रत्न स्वर्गीय पंडित गोविंद बल्लभ पंत जी की जयंती पर और परमवीर चक्र विजेता स्वर्गीय शहीद वीर अब्दुल हमीद की पुण्यतिथि पर दोनों को याद किया। समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल,और प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी ने कहा कि पंडित गोविंद बल्लभ पंत जी ने स्वतंत्रता आंदोलन में बढ़–चढ़कर अपनी भागीदारी निभाई वह एक सच्चे देशभक्त थे। पंत जी के परिवार व उनके पुत्र के सी पंत और उनकी पत्नी इला पंत का भी आंदोलन में योगदान रहा।

11 एवं 12 को जिला पंचायत सभागार गोपेश्वर में परिवादों की होगी सुनवाई

संवाददाता चमोली। उत्तराखंड मानवाधिकार आयोग द्वारा मानवाधिकार एवं सुशासन के संवेदनीकरण पर 11 एवं 12 को जिला पंचायत सभागार गोपेश्वर में परिवादों की सुनवाई की जाएगी। मानवाधिकार आयोग के अनु सचिव राजेन्द्र सिंह झिंक्वाण ने बताया कि उत्तराखंड मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वीके बिष्ट की अध्यक्षता में परिवादों की सुनवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि पहले यह सुनवाई विकास भवन सभागार गोपेश्वर में होनी प्रस्तावित थी, लेकिन अब परिवादों की दो दिवसीय सुनवाई जिला पंचायत सभागार गोपेश्वर में की जाएगी।

जिलाधिकारी ने पं0 गोविन्द बल्लभ पंत की जयंती याद किया

संवाददाता चमोली। महान स्वाधीनता संग्राम सेनानी, देश के पूर्व गृहमंत्री व उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री, भारत रत्न पं0 गोविन्द बल्लभ पंत की जयंती के अवसर पर जिलाधिकारी संदीप तिवारी सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों ने शहीद स्मारक पार्क में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए उनके साहित्यिक, सामाजिक एवं स्वतंत्रता आन्दोलन में दिए गए योगदान को याद किया गया। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने कहा कि बहुआयामी प्रतिभा के धनी भारत रत्न पं गोविंद बल्लभ पंत जी एक प्रखर चिन्तक एवं दूरदर्शी कुशल राजनेता थे। उन्होंने एक स्वतंत्रता सेनानी के रूप में अंग्रेजों से लोहा लिया और एक आदर्श राजनेता के तौर पर समाज कल्याण की दिशा में काम किया। वर्तमान में जरूरत है कि प्रत्येक नागरिक को उनके पदचिन्हों पर चलना चाहिए। देश को आगे बढ़ाने के लिए सभी को अपने नैतिक दायित्वों को निभाने के साथ ही एकता, अखण्डता व स्वतंत्रता को बनाये रखने में अहम भूमिका निभानी होगी। सबके द्वारा अपने दायित्वों एवं कर्तव्यों का पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ निर्वहन करना ही पन्त जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

वनमंत्री सुबोध उनियाल ने अगस्त्यमुनि क्षेत्रवासियों की सुनी समस्या

संवाददाता रुद्रप्रयाग। एक दिवसीय जनपद भ्रमण पर पहुंचे वन मंत्री सुबोध उनियाल जनपद रुद्रप्रयाग के केदारनाथ विधानसभा के अंतर्गत मण्डल अगस्त्यमुनि क्षेत्रांर्गत सौड़ी में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक आयोजित की गयी। इस अवसर पर वन मंत्री द्वारा स्थानीय लोगों से उनकी समस्याएं सुनते हुए उनसे संवाद किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को क्षेत्र की समस्याओं का निस्तारण करने के निर्देश दिए।
संवाद कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों ने वन विभाग, लोनिवि, राजस्व सहित अन्य विभागों की समस्याएं वन मंत्री सुबोध उनियाल के समक्ष रखी। उन्होंने जिलाधिकारी सहित अन्य विभागीय अधिकारियों को फोन पर संपर्क कर संबंधित समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार आम जनमानस की समस्याओं के निराकरण के लिए लगातार प्रयासरत है तथा ग्रामीण अंचलों में सरकार जनता के द्वार सहित अन्य जन मिलन कार्यक्रम आयोजित कर समस्याओं का निदान किया जा रहा है। इस अवसर पर उन्होंने सरकार एवं वन विभाग द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक लोगों को योजनाओं का लाभ लेने की अपील की।
इस अवसर पर विधायक रुद्रप्रयाग भरत सिंह चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष महावीर पंवार सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

कार्यालय सहायक अभियन्ता (चतुर्थ), ग्रामीण निर्माण विभाग, प्रखण्ड देहरादून

पत्र संख्या : 34 / ग्रा०नि०वि० / निविदा सूचना /2024-25 दिनांक: 2/09/2024

/ / निविदा सूचना //

उत्तराखण्ड राज्यपाल महोदय द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उत्तराखण्ड प्रॅक्योरमेन्ट रूल के परिपालन में अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्य की सीलबन्द निविदा दिनांक 18.09.2024 को अपरान्ह 02.00 बजे तक ग्रामीण निर्माण विभाग, प्रखण्ड कार्यालय देहरादून में पंजीकृत ठेकेदारों से आंमत्रित की जाती हैं, जो उसी दिन अपराहन 02.30 बजे अधोहस्ताक्षरी अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा निविदादाताओं अथवा उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेंगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में निविदा खोलने की तिथि से एक दिन पूर्व सायं 3.00 बजे तक निर्धारित शुल्क ई-चालान के माध्यम से जमा करा कर प्राप्त किये जा सकते हैं।

क० सं०	कार्य का नाम	विभाग/ योजना का नाम	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं जी एस टी कर अतिरिक्त	कार्य पूर्ण करने का समय	ठेकेदार हेतु श्रेणी
1	राजकीय रेशम फार्म सभावाला विकासनगर में चाकी कीटपालन भवन का निर्माण	रेशम विभाग	18000	1000.00+जी0एस0टी0	04 माह	ई एवं उच्च

निविदा की शर्ते

निविदा से सम्बन्धित शेष शर्ते की जानकारी अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

सहायक अभियन्ता (चतुर्थ)
ग्रामीण निर्माण विभाग,
प्रखण्ड देहरादून

चारधाम रूट पर डंपिंग जोन हेतु उचित स्थानों के चिन्हीकरण के निर्देश

संवाददाता।

देहरादून। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने आज कैबिनेट सेक्रटरी, भारत सरकार की अध्यक्षता में चौथी मुख्य सचिव कॉन्फ्रेस की तैयारियों तथा स्वच्छता ही सेवा अभियान के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में आयोजित विडियों कॉन्फ्रेसिंग में प्रतिभाग किया।

■सीएस ने स्वच्छता ही सेवा अभियान के क्रियान्वयन पर लिया भाग

मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने कहा कि स्वच्छता ही सेवा अभियान के प्रभावी व सफल संचालन के लिए अधिकारियों को प्रदेशभर में जनभागीदारी, जागरूकता, एडवोकेसी के साथ सार्वजनिक व वाणिज्यिक स्थलों, कार्यालयों, संस्थानों, सड़कों, राजमार्गो, बाजारों, ट्रैकिंग व कैंपिंग स्थलों व अन्य पर्यटन व धार्मिक स्थलों में बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान चलाने के साथ ही सफाई मित्रों के लिए स्वास्थ्य जांच व सामाजिक सुरक्षा कवरेज हेतु सिंगल विण्डों कैम्प लगाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही स्वयं सहायता समूहों व एनजीओ की भागीदारी भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि चारधाम मार्गों में मलबे की समस्या के समाधान के लिए चारधाम रूट पर डंपिंग जोन हेतु उचित स्थानों के चिन्हीकरण के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही सचिव पेयजल व जिलाधिकारियों को सभी एसटीपी के निरीक्षण व जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। सभी एसटीपी को ड्रेनेज सिस्टम से जोड़ने की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश सभी डीएम को दिए। स्वास्थ्य विभाग को सफाई मित्रों के लिए हेल्थ कैम्प लगाकर स्वास्थ्य व चिकित्सा सेवाएं, जांच व उपचार के साथ ही अन्य सभी सम्बन्धित विभागों की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर बच्चों खिलाई कृमि नाशक दवा

संवाददाता चमोली। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर मंगलवार को पूरे जनपद में बच्चों को कृमिनाशक दवा एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई गई। राजकीय इंटर कॉलेज गोपेश्वर में प्रधानाचार्य कर्मवीर सिंह ने बच्चों को कृमि नाशक दवा खिलाकर राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का शुभारंभ किया। जिले में 105650 (एक लाख,पांच हजार,छः सौ पचास) बच्चों को पेट के कीड़े मारने की दवा एल्बेंडाजोल की गोली खिलाने का लक्ष्य है। जिला स्वास्थ्य आईईसी अधिकारी उदय सिंह रावत ने बताया कि जनपद चमोली में जो बच्चे कृमि मुक्ति दिवस पर दवा खाने से छूट जाएंगे, उन्हें 18 और 19 सितम्बर को दवा खिलाई जाएगी। उन्होंने बताया कि एल्बेंडाजोल की गोली बच्चों के लिए सुरक्षित दवा है।

सफलता अनुभव से आती है और अनुभव हमेशा बुरे अनुभव से आता है। -अज्ञात

देहरादून, बुधवार, 11 सितंबर 2024
पेज थ्री
www.page3news.in

चुनाव प्रचार में भारत विरोध

मालदीव की नई सरकार के रुख को देखते हुए भारत ने भी वेट एंड वॉच की पॉलिसी अख्तियार कर ली। नतीजा यह हुआ कि भारत से छुट्टियां बिताने मालदीव जाने वाले टूरिस्टों की संख्या कम होने लगी।

अनुज श्रीवास्तव।।

विदेश मंत्री एस जयशंकर की पिछले सप्ताह हुई मालदीव यात्रा के दौरान वहां राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू का जैसा दोस्ताना रवैया दिखा, उसे भावनात्मक राजनीति के तकाजों पर कूटनीति की ठोस हकीकतों की जीत के रूप में रेखांकित किया जा सकता है। पिछले करीब एक साल की अवधि में दोनों देशों के रिश्तों ने तो हिचकोले खाए ही, एक देश के रूप में भी मालदीव कई कड़वे अनुभवों से गुजरा।

इस प्रकरण की शुरुआत पिछले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से मानी जा सकती है जिसमें एक प्रत्याशी के तौर पर मुइज्जू ने भारत विरोधी भावनाओं पर दांव लगाया था। वह बार–बार सार्वजनिक तौर पर यह संकल्प करते देखे गए कि सत्ता में पहुंचते ही भारतीय सैनिकों को मालदीव से विदा कर देंगे। हालांकि सबको पता था कि भारतीय सैनिकों की वहां मौजूदगी सांकेतिक ही थी।

चुनावों के दौरान ही यह साफ हो गया था कि मुइज्जू भारत के साथ रिश्तों में आ रही संभावित दूरी की भरपाई चीन से करीबी रिश्तों के रूप में करना चाहते हैं। हालांकि एक्सपर्ट्स तब भी इस बात की ओर ध्यान खींच रहे थे कि भू–राजनीति की वास्तविकताओं के मद्देनजर यह संभव नहीं है कि मालदीव में जो भूमिका भारत निभा सकता है, वह चीन निभाने लगे।

राष्ट्रपति पद ग्रहण करने के बाद मुइज्जू के बयानों में हलकी सी नरमी जरूर दिखी, लेकिन नीतियों की दिशा बदलने का प्रयास भी जारी रहा। चुनावों के दौरान बने माहौल का असर ही कहिए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लक्षद्वीप यात्रा को लेकर मालदीव के एकाधिक मंत्रियों ने सार्वजनिक मंचों से ऐसी टिप्पणियां कीं, जिनसे दोनों देशों के रिश्तों में धीरे–धीरे बनता तनाव अचानक बेकाबू हो गया। सोशल मीडिया पर 'बॉयकॉट मालदीव' का हैशटैग ट्रेंड करने लगा।

मालदीव की नई सरकार के रुख को देखते हुए भारत ने भी वेट एंड वॉच की पॉलिसी अख्तियार कर ली। नतीजा यह हुआ कि भारत से छुट्टियां बिताने मालदीव जाने वाले टूरिस्टों की संख्या कम होने लगी। इस साल के शुरुआती चार महीनों की अवधि में वहां भारतीय टूरिस्टों की संख्या में 42 प्रतिशत की कटौती दर्ज की गई। ध्यान रहे, मालदीव की टूरिज्म का योगदान 30 प्रतिशत है।

इतना ही नहीं, भारत के सहयोग से चलने वाले इन्फ्रा प्रॉजेक्ट्स और हेल्थ, एजुकेशन और कृषि क्षेत्रों से जुड़े कई प्रॉजेक्ट्स का भविष्य भी अधर में लटका दिखाई देने लगा। मुइज्जू सरकार इनकी अनदेखी नहीं कर सकती थी। किसी अन्य देश का सहयोग भी इसकी भरपाई नहीं कर सकता था। ऐसे में मुइज्जू सरकार ने पिछले कुछ समय से अपने रुख में बदलाव का संकेत देना शुरू कर दिया था। भारत ने भी इन संकेतों का सम्मान किया। नतीजा यह कि दो पड़ोसी देशों के पुराने रिश्ते फिर पटरी पर लौटते दिख रहे हैं।

कुलदेवी की महिमा

धर्म-दर्शन

अशोक वोहरा। जैसे ही रॉकी खेत के पास पहुँचता है, तो खेत पहले की तरह ही लहलहा रहे होते हैं और जो आग रॉकी ने लगायी थी। वह केवल फसल के किनारे तक ही बढ़ी थी। रॉकी समझ चुका था। जरूर यह कुलदेवी की महिमा है और वह उसी बुजुर्ग के पैरों में गिर जाता है, जिससे उसकी बहस हुई थी और सारी बात बता देता है। गाँव वाले भी उसे उसकी नादानी के लिए क्षमा कर देते हैं द्य अगले ही दिन रॉकी कुलदेवी के उसी बरगद के वृक्ष के नीचे जाकर गाँव की परंपरा के अनुसार पूजा करता है और हाथ जोड़कर कुल देवी से अपने अच्छे भविष्य की कामना करता है और इसी के साथ वह गाँव को छोड़कर चला जाता है। लेकिन इस घटना ने एक नास्तिक व्यक्ति को, आस्था से जोड़ दिया था, जो कि कुलदेवी का ही प्रताप था।

संपादकीय

किसे मिले लाभ

विमर्श इस पर होना चाहिए कि पिछड़ों में ही कितने वाजिब लोगों को उनका आरक्षण का हक मिल रहा है? उनका हक कोई सवर्ण नहीं मार रहा, बल्कि उनके ही तबके के खाए–अघाए लोग मार रहे हैं। जिस तरह के सियासी हालात हैं, उन्हें देखते हुए आरक्षण की व्यवस्था खत्म होने का सवाल ही नहीं उठता। ऐसे में इस विचार को बढ़ावा तो मिलना ही चाहिए कि आरक्षण की व्यवस्था में कम से कम उन लोगों को तो फायदा मिले, जो सचमुच कमजोर हैं, जिन्हें आर्थिक सहारे की जरूरत उन लोगों की तुलना में ज्यादा है, जिनके माता–पिता अच्छी नौकरियों में हैं। साथ ही यह सवाल भी उठना चाहिए कि जो समृद्ध हैं, उन्हें आखिर आरक्षण मिलना ही क्यों चाहिए? सवाल यह भी उठना चाहिए कि समृद्धि की परिभाषा और दायरा बदला ही क्यों जाए? और अगर बदला जाए उसमें वेतन की आय को क्यों नहीं जोड़ा जाए?

इसे उलटबांसी ही कहेंगे कि आरक्षण के समर्थक आंबेडकर की बातों को ब्रह्मसूत्र की तरह स्वीकार तो करते हैं, लेकिन आरक्षण पर उनके विचार से कन्नी काट जाते हैं।

आरक्षण की उलटबांसी

उमेश चतुर्वेदी।।

सामाजिक रूप से कमजोर तबकों के लिए आरक्षण की संवैधानिक व्यवस्था बनाते वक्त डॉ. भीमराव आंबेडकर ने कहा था कि 10 साल में यह समीक्षा हो कि जिन्हें आरक्षण मिला, उनकी हालत में सुधार हुआ या नहीं। आंबेडकर ने तब यह भी कहा था कि आरक्षण से यदि किसी वर्ग का विकास हो जाता है तो उसकी अगली पीढ़ी को उसका फायदा नहीं मिलना चाहिए। उनका तर्क था कि आरक्षण बैसाखी नहीं है, जिसके सहारे पूरी जिंदगी काटी जाए। इसी वजह से संविधान में आरक्षण की स्थायी व्यवस्था नहीं की गई। इसे उलटबांसी ही कहेंगे कि आरक्षण के समर्थक आंबेडकर की बातों को ब्रह्मसूत्र की तरह स्वीकार तो करते हैं, लेकिन आरक्षण पर उनके विचार से कन्नी काट जाते हैं। यही वजह है कि कोई पूजा खेडकर सामने आ जाती है और आरक्षण के दायरे में ना होने की वैधानिकता के बावजूद आरक्षण के प्रावधान की संकरी गलियों से अपने लिए राह निकाल लेती है। लोक विमर्श में आरक्षण की व्यवस्था उस बिंदु पर पहुंच गई है, जहां चाहते हुए भी कोई राजनीतिक दल इसका विरोध नहीं कर सकता।

मंडल आयोग की रिपोर्ट को 1990 में लागू किए जाने के बाद आरक्षण के खिलाफ देश में आंदोलन तो खूब हुए, लेकिन वे नाकाम रहे। सरकारी नौकरियों में पिछड़े वर्ग को 27: आरक्षण देने की व्यवस्था लागू हो गई। लेकिन यह आरक्षण शैक्षिक संस्थानों में नहीं था। वीपी सिंह ने नौकरियों में पिछड़ों को आरक्षण दिया तो 2004 में मानव संसाधन मंत्री बने अर्जुन सिंह ने शैक्षिक संस्थानों के दाखिलों में पिछड़े वर्ग को आरक्षण देने का फैसला किया। इसके खिलाफ साल 2006 में छात्रों के एक समूह ने 'यूथ फॉर इक्वलिटी' नाम का ग्रुप बनाकर आंदोलन छेड़ा। लेकिन वे भी नाकाम रहे।

इन्हीं बहसों के दौरान आरक्षण प्राप्त कर चुके परिवारों की अगली पीढ़ी को आरक्षण न देने का विचार आगे बढ़ा, 'क्रीमी लेयर' शब्द का उदय हुआ। क्रीमी लेयर की सीमा 1993 में शुरू की गई, तब एक लाख रुपये सालाना से ज्यादा आय वाले लोगों को आरक्षण के दायरे से बाहर किया गया। आय की इस सीमा को साल 2004 में बढ़ाकर ढाई लाख और 2008 में साढ़े चार लाख रुपये सालाना किया गया। आरक्षण की बैसाखी के सहारे आगे बढ़ने वालों की मांग बढ़ती रही और सरकारें सियासी दबाव के आगे झुकते हुए इस सीमा को बढ़ाती रहीं। क्रीमी लेयर सीमा साल 2013 में छह लाख और 2017 में आठ लाख रुपये सालाना कर दी गई।

यहां एक तथ्य की ओर ध्यान दिया जाना चाहिए कि क्रीमी लेयर में वेतन वाली आय को नहीं जोड़ा जाता है। हालांकि 1993 में जब इसके लिए नियम बनाए गए थे, तो क्रीमी लेयर में कृषि आय के साथ वेतन को भी जोड़ा गया था। इसका पिछड़े वर्ग की ओर से विरोध हुआ तो सियासी दबाव में वेतन को छोड़ दिया गया। साल 2020 में जब मौजूदा केंद्र सरकार ने क्रीमी लेयर की आय सीमा को बढ़ाने का प्रस्ताव रखा तो उसमें वेतन की आय को भी जोड़े जाने का सुझाव दिया गया जिसका बीजेपी के पिछड़े वर्ग के सांसदों तक ने खुला विरोध किया।

सूडोकू नवताल- 5353

★★★★★ कठिनतम

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकू नवताल -5352 का हल

6	3	8	5	2	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	9	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

अपना ब्लॉग

पिछड़े ही वंचित हो जाते हैं

मोहन। सवाल है कि अगर पिछड़े वर्गों की ही बात करें तो कितने ऐसे लोग हैं, जिन्हें कृषि या दूसरे स्रोतों से बड़ी आय होती है। यह भी सच है कि प्रतिभा और आरक्षण के दम पर एक पूरी पीढ़ी ऐसी नौकरियों में आ चुकी है, जो उसे आर्थिक रूप से समृद्ध बनाती है। वेतन वाले तबके को किनारे रखने की वजह से पिछड़ों के लिए मिलने वाले आरक्षण का फायदा पिछड़े वर्ग के ही लाखों–करोड़ों बच्चों को नहीं मिल पाता। आंबेडकर के ही शब्द उधार लें तो आरक्षण की जरूरत पिछड़े वर्ग के उन लोगों को है, जो सचमुच पिछड़े हैं, जिनकी आय कम है, जिनके पास नौकरियां नहीं हैं। पूजा खेडकर के बारे में जो सूचनाएं सामने आई है, उनके अनुसार उनके पिता ने 40 करोड़ का इनकम टैक्स रिटर्न भरा है। सवाल है कि क्या इस आय वर्ग के लोगों को पिछड़ा और आरक्षण के उपयुक्त माना जाना चाहिए?

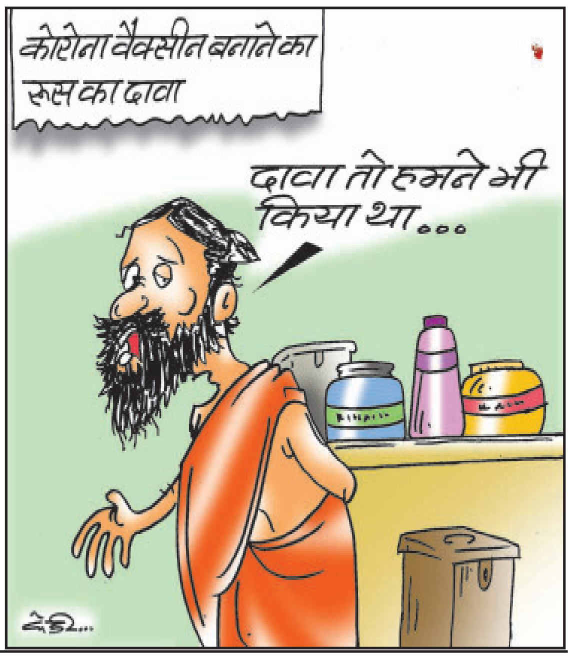
कोरोना वैक्सीन बनाने का रूस का दावा
दावा तो हमने भी किया था...

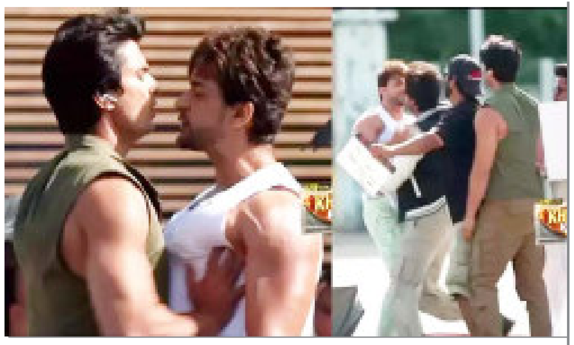

रोहित शेट्टी के कारण गश्मीर महाजनी खो बैठे आपा!

रोहित शेट्टी के स्टंट पर आधारित रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 14 का तीन हफ्ते में फिनाले होना है। इस सीजन को अपना कोई एक विनर भी मिल जाएगा। फिलहाल अभी 8 कंटेस्टेंट्स शो में बरकरार हैं। ऐसे में कौन टॉप 5 में पहुंचता है और कौन ट्रॉफी पर अपना हक जमाता है, ये देखना दिलचस्प होगा। मगर उसके पहले हमेशा शांत रहने वाले गश्मीर महाजनी का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। शो के जारी नए प्रोमो में वह बुरी तरह भड़के हुए दिखाई दे रहे हैं।

खतरों के खिलाड़ी 14श के नए प्रोमो में गश्मीर महाजनी दोनों कान में इयरफोन लगाए हुए हैं और क्रू मेंबर्स से कह रहे हैं, श्अरे यार सुबह–सुबह मत करवाओ यार। अरे पहले स्टंट तो खत्म करने दे ना।श इसके बाद वह सामने खड़े एक लड़के को बुरी तरह धक्का मार देते हैं। तभी शालीन भनोट आते हैं और कहते हैं कि वह शांत हो जाएं। शालीन से गश्मीर गुस्से में बोलते हैं, हर बार बीच में आया कर। कैमरा ऑन नहीं है शालीन। तो छाता थामे शालीन बोलते हैं, मेरे ऊपर भड़कने की जरूरत नहीं है ब्रो। गश्मीर ने कहा, अगर भड़क गया तो...? शालीन भी गुस्से में कहते हैं, श्आजा फिर... अपनी हीरोगीरी अपने में रख। तू मेरे को धक्का देकर दिखा।

रणबीर कपूर की फिल्म श्रामायणश की शूटिंग हुई खत्म!

रणबीर कपूर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म रामायण को लेकर खबरों में हैं और कहा जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग अब खत्म हो चुकी है। इस फिल्म के सेट से वीएफएक्स की कुछ झलकियां सामने आई हैं और सेट पर क्रू के साथ रणबीर भी नजर आ रहे हैं। फिल्म एनिमल में अपना खूंखार अवतार दिखा चुके रणबीर कपूर ने अपनी अपकमिंग फिल्म श्रामायणश की शूटिंग पूरी कर ली है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही पौराणिक महाकाव्य पर बेस्ड फिल्म श्रामायणश दो पार्ट में बनने वाली है। लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म की शूटिंग अब खत्म हो गई है और अब पोस्ट–प्रोडक्शन का काम चल रहा है। इस वक्त फिल्म के सेट से कुछ झलकियां सामने आई हैं, जिसे देखकर फैन्स कै उत्साह चरम पर है। रामायण की इन झलकियों में फिल्म के सेट पर वीएफएक्स के काम का नजारा दिख रहा है।

विकास सेठी के निधन के बाद उनकी वाइफ जान्हवी ने किया पहला पोस्ट

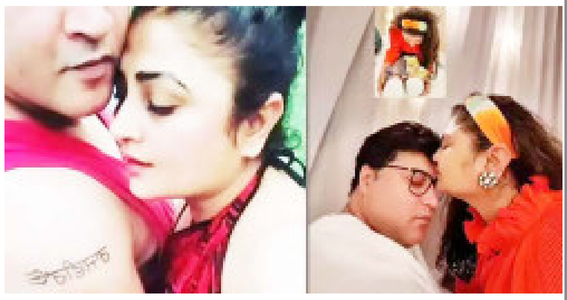

क्योंकि सास भी कभी बहू थीश से लेकर फिल्म श्कभी खुशी कभी गमश में रॉबी की भूमिका निभाने वाले एक्टर विकास सेठी अब हमारे बीच नहीं रहे। एक्टर का 48 वर्ष की उम्र में निधन हो गया और इस खबर से परिवार के अलावा इंडस्ट्री के लोग भी काफी सदमे में हैं।

विकास के निधन के एक दिन बाद उनकी वाइफ जाह्नवी ने पहली बार सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। जान्हवी के इस पोस्ट में पति के लिए अथाह दर्द है और यहां अंतिम संस्कार को लेकर भी कुछ बातें कही हैं। टीवी इंडस्ट्री के फेमस एक्टर रहे विकास सेठी अब इस दुनिया में नहीं रहे। रविवार को 8 सितंबर की सुबह एक्टर सोकर ही नहीं उठे यानी नींद में ही दिल का दौरा पड़ा। वह 48 साल के थे और विकास के निधन की खबर ने हर किसी को शॉक कर दिया है। इंडस्ट्री से उनके दोस्तों और जाननेवालों ने एक्टर के निधन पर अपना दुख जताया है। अब विकास सेठी की वाइफ ने एक पोस्ट किया है जिसमें उन्होंने पति के अंतिम संस्कार की बात कही है। जान्हवी ने श्ओम शांतिश लिखते हुए एक पोस्ट किया है,श्विकास सेठी की प्यारी यादों में...हमें ये बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि हमारे प्रिय विकास सेठी हमारे बीच नहीं रहे। वह 8 सितंबर 2024 को हम सभी को छोड़कर चले गए। 9 सितंबर को हिंदू परंपराओं के अनुसार, उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। इस मुश्किल समय में आपकी उपस्थिति, प्रार्थना और सपोर्ट की सराहना की जाएगी– सादर, सेठी परिवार।श इस पोस्ट पर लोगों एक्टर की आत्मा की शांति के लिए दुआएं कर रहे हैं।

रामायण में भगवान विष्णु के दो अवतारों में आएंगे नजर रणबीर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नितेश तिवारी की श्रामायणश की शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब इस फिल्म को लेकर तरह–तरह के दावे सामने आ रहे हैं। दो पार्ट में बनने वाली इस पिक्चर को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। जिसमें बताया जा रहा है कि रणबीर कपूर और साई पल्लवी के अलावा, इसमें अमिताभ बच्चन भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। साथ ही श्ब्रह्मास्त्रश एक्टर के भी रोल के बारे में एक चौंकाने वाली बात सामने आई है।

रामायण में परशुराम का रोल जरूरी

रिपोर्ट के मुताबिक, रणबीर भगवान राम के साथ–साथ परशुराम की भूमिका भी निभाएंगे। रामायणश में परशुराम का रोल जरूरी है और इस खास किरदार के रूप में रणबीर का लुक अलग और पहचान में न आने वालाश होगा। बता दें कि रामायण में, मिथिला में भगवान राम और सीता मां के विवाह के बाद, परशुराम ने भगवान राम को युद्ध के लिए चुनौती दी। सिल्वर स्क्रीन पर इस सीन को देखना दिलचस्प होगा।

अमिताभ बच्चन और रणबीर का रामायण में रोल

इसके अलावा, रिपोर्ट में यह भी खुलासा किया गया है कि रणबीर और साईं पल्लवी स्टारर इस फिल्म में अमिताभ बच्चन की भी कास्टिंग होगी। नाग अश्विन की मूवी कल्कि 2898 एडी में उन्होंने अश्वत्थामा का किरदार निभाया था और इस भूमिका से वह सबके दिलों पर छा गए थे। हालांकि वह इसके पार्ट 2 में भी इसी रोल में नजर आएंगे। मगर उसके पहले वह नितेश तिवारी की त्ंउंलंदं में जटायु के रोल में दिखेंगे। बताया जा रहा है कि अमिताभ जटायु को अपनी आवाज देंगे, जिसने माता सीता के अपहरण के दौरान उन्हें बचाने के लिए रावण से लड़ाई लड़ी थी। अफवाह तो ये भी है कि मेकर्स ने टथ्य के इस्तेमाल से जटायु को दिखाने के लिए बिग बी की आंखों को भी स्कैन किया है।

रामायण मूवी की कास्ट और बजट

सोशल मीडिया पर मूवी के सेट से कुछ तस्वीरें भी वायरल हुई हैं। जिसमें बताया जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। अब कुछ का काम बाकी है। साथ ही इनडोर शूटिंग भी की जाएगी, क्योंकि नितेश तिवारी नहीं चाहते कि उनकी फिल्म का कोई भी हिस्सा सोशल मीडिया पर लीक हो। 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर में बन रही इस फिल्म में लारा दत्ता, शीबा चड्ढा, अरुण गोविल, सनी देओल जैसे तमाम सितारे अहम भूमिका में नजर आएंगे।

जयम रवि ने शादी के 15 साल बाद पत्नी आरती से तोड़ा रिश्ता

मुनव्वर फारूकी के साथ एक और विवाद जुड़ गया। कोंकणी कम्युनिटी के खिलाफ एक शब्द से लोग इतने आहत हुए कि उन्हें पीटने और पाकिस्तान भेजने तक की धमकी दे डाली। मामला बढ़ता देख बिग बॉस 17 के विनर ने माफी मांग ली है। उनका वीडियो वायरल हो रहा है।

जयम रवि ने लिखा, जीवन कई अध्यायों वाला एक सफर है। इनमें से हर अध्याय के अपने नए अवसर और चुनौतियां हैं। आप में से कई लोगों ने स्क्रीन पर और स्क्रीन के बाहर मेरे सफर को बेहद प्यार और समर्थन के साथ देखा है, मैंने हमेशा अपने फैंस और मीडिया के साथ जितना संभव हो सके उतनी ईमानदारी बनाए रहने की कोशष्शि की है। मैं बहुत भारी मन से आप सभी के साथ एक बेहद निजी बात शेयर कर रहा हूं। बहुत सोच–विचार और चर्चा के बाद, मैंने आरती के साथ अपनी शादी को खत्म करने का कठिन फैसला लिया है।श

फैंस से की अपील- अफवाहों, आरोपों से बचे

एक्टर ने आगे लिखा है कि उन्होंने यह फैसला जल्दबाजी में नहीं लिया है। जयम रवि ने भरोसा दिया कि यह फैसला व्यक्तिगत कारणों से लिया गया है और यही इससे जुड़े लोगों के हित में सबसे बेहतर है। रवि ने कहा, इस बारे में, मैं आप सभी से अनुरोध करता हूं कि इस कठिन समय में हमारी और हमारे परिवार के सदस्यों की निजता का सम्मान करें और आप सभी से इस संबंध में कोई भी धारणा, अफवाह या आरोप लगाने से बचें और मामले को निजी ही रहने दें।

2009 में हुई थी शादी, जयम रवि और आरती के हैं दो बेटे

यह चर्चा बीते कुछ समय से चल रही थीं कि जयम रवि और उनकी पत्ध्नी आरती के बीच सब ठीक नहीं है। इस चर्चा की आग को और हवा तब लगी, जब आरती ने अपने इंस्टाग्राम पेज से पति संग सारी तस्वीरें हटा दी थीं। साल 2009 में जयम रवि और आरती की शादी हुई थी। उनके दो बेटे आरव और अयान हैं। आरती मशहूर टीवी प्रोड्यूसर सुजाता विजयकुमार की बेटी हैं।

दिवाली पर रिलीज होगी जयम रवि की ब्रदर

वर्कफ्रंट की बात करें तो जयम रवि फिलहाल एम राजेश की फिल्म ब्रदर की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म इसी साल दिवाली के मौके पर 31 अक्टूबर को रिलीज होने वाली है। इसके अलावा उनके पास थानी ओरुवन 2 भी है।

हार्ट डिजीज के खतरे को बढ़ाती है इंटरमिटेंट फास्टिंग

एक्सपर्ट्स के अनुसार इंटरमिटेंट फास्टिंग का शरीर के कई अंगो पर बुरा असर भी पड़ सकता है। ऐसे में यदि आप इंटरमिटेंट फास्टिंग से अपना वजन घटाने की सोच रहे हैं तो सबसे पहले आपको इसके नुकसान के बारे में भी जान लेना चाहिए।

क्या है इंटरमिटेंट फास्टिंग?

इंटरमिटेंट फास्टिंग में दिन के कुछ समय फास्ट रखना होता है और सिर्फ एक तय समय पर ही भोजन करना होता है या फिर आप दिन भर में कुछ घंटे ही खा सकते हैं। इससे शरीर में ज्यादा मात्रा में कैलोरी नहीं जाती और डाइट भी कंट्रोल रहती है। इंटरमिटेंट फास्टिंग में आपको कुछ दिनों के लिए एक तय समय पर ही भोजन करना होता है।

दिल की बीमारियों का खतरा

इंटरमिटेंट फास्टिंग में 14 से 16 घंटे तक बिना कुछ खाए पिए रहने से कार्डियक प्रॉब्लम्स का खतरा बढ़ जाता है। लंबे समय तक उपवास रखने पर इलेक्ट्रोलाइट इंबैलेंस हो जाता है और कॉर्टिसोल लेवल बढ़ता है। इससे अनियमित दिल की धड़कन और दिल से जुड़ी बीमारियां हो सकती है। एक स्टडी के अनुसार 8 घंटे के विंडो के अंदर भोजन करने से हार्ट डिजीज हो सकता है लेकिन इस पर अभी और रिसर्च की जरूरत है।

इंटरमिटेंट फास्टिंग का लिवर पर बुरा असर

डाइजेशन, मेटाबॉलिज्म, डिटॉक्सिफिकेशन और हार्मोन रेगुलेशन में लिवर बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे में इंटरमिटेंट फास्टिंग से यह सारे फंक्शन प्रभावित होते हैं। खासतौर पर जिन्हें पहले से ही लिवर से जुड़ी समस्याएं रहती है। उनमें ऐसी परेशानियां अधिक होती है। हालांकि कुछ शोध के अनुसार इंटरमिटेंट फास्टिंग का लिवर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है जैसे फैट इकट्ठा न होने देना और इन्सुलिन सेंसटिविटी में सुधार। हालांकि इस शोध के नतीजे अभी साफ नहीं है।

शरीर में हो सकती है पोषक तत्वों की कमी

इंटरमिटेंट फास्टिंग में पोषक तत्वों से भरपूर चीजें खानी चाहिए। यदि शरीर में पोषक तत्वों की कमी होती है तो दूसरी कई तरह की शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं।

हेल्थ प्रोफेशनल से सलाह लेकर ही करें इंटरमिटेंट फास्टिंग

यदि आप भी इंटरमिटेंट फास्टिंग की शुरुआत करना चाहते हैं तो आपको अपने हेल्थ प्रोफेशनल से सलाह जरूर लेनी चाहिए। इससे लिवर से जुड़ी समस्याएं बढ़ सकती है और ब्लड शुगर लेवल में भी गिरावट आने की संभावना होती है। ऐसे में यह जरूरी है कि इसके बारे में आपको सही जानकारी प्राप्त हो।

इन सुपर फूड्स को खाने से जीवनभर नहीं सताएगा बीमारियों का डर

हमें हमेशा ऐसा भोजन करना चाहिए जो पोषक तत्वों से भरपूर हो और इसके लिए हमें अपनी डाइट में पौष्टिक खाद्य सामग्री को शामिल करना चाहिए। ऐसे में सुपरफूड्स के सेवन से हम अपने शरीर को मजबूत रख सकते हैं। जिन चीजों में उच्च पोषण होता है उन्हें सुपरफूड्स कहा जाता है। ज्यादतर सुपरफूड्स प्लांट बेस्ड होते हैं। मछली और डेयरी भी सुपरफूड्स की लिस्ट में शामिल हैं। इनमें भारी मात्रा में पोषक तत्व होता है और यह हमारी सेहत को बढ़ावा देते हैं। सुपरफूड्स में सारे जरूरी न्यूट्रिएंट्सइस होते हैं जैसे विटामिन, मिनिरल, एंटीऑक्सीडेंट और हेल्दी फैट्स। यह सभी इम्यूनिटी को बढ़ाने के साथ हार्ट हेल्थ में भी सुधार लाते हैं। इस आर्टिकल में हम कुछ ऐसे ही सुपरफूड्स के बारे में बताएंगे जो आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं और किस तरह आप इन्हें अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। फूड एंड न्यूट्रिशन जर्नल के अनुसार कुछ ऐसे सुपर फूड्स हैं जो ओवरऑल हेल्थ के लिए बहुत ही शानदार माने जाते हैं। बीमारियों से बचाव करने में भी यह महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बेरीज

ब्लूबेरी, स्ट्रॉबेरी, रसबेरी और ब्लैकबेरी अपने हाई एंटीऑक्सीडेंट कंटेंट के लिए जाने जाते हैं। यह सेल्स को ऑक्सीडेटिव डैमेज से बचाने का काम करते हैं। इनमें भारी मात्रा में विटामिन सी, विटामिन के, फाइबर और मैंगनीज भी पाया जाता है। यह हार्ट हेल्थ को भी इंप्रूव करते हैं, साथ ही ब्रेन फंक्शन को भी सपोर्ट करने का काम करते हैं। पेट से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में भी यह सहायक होते हैं।

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पत्तेदार सब्जियां

पालक, केल, स्विस चार्ड और कोलार्ड, ऐसी हरी सब्जियां हैं जिनमें विटामिन सी, के और फोलेट पाया जाता है। इनमें भारी मात्रा में मिनरल्स जैसे आयरन कैल्शियम और मैग्नीशियम भी होता है। यह सारी सब्जियां हमारी बोन हेल्थ के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है। यह इम्यूनिटी को बढ़ाती है और इन्फ्लेमेशन को कम करने का काम करती है। इनके हाई फाइबर कंटेंट से डाइजेस्टिव हेल्थ को भी कई तरह के लाभ मिलते हैं।

नट्स और सीड्स

बादाम, चिया सीड्स, फ्लेक्स सीड्स और वॉलनट हेल्दी फैट प्रोटीन और फाइबर का बढ़िया स्रोत होते हैं। नट्स और सीड्स से जरूरी फैटी एसिड्स ओमेगा 3 मिलता है जो ब्रेन हेल्थ को सपोर्ट करता है। यह कार्डियोवैस्कुलर फंक्शन को भी सपोर्ट करता है। इनमें एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो इन्फ्लेमेशन को कम करते हैं और हमारी ओवरऑल हेल्थ को सपोर्ट करते हैं।

क्विनोआ

क्विनोआ में सारे जरूरी अमीनो एसिड्स होते हैं जो हमारी हेल्थ के लिए जरूरी होते हैं। इसमें फाइबर, मैग्नीशियम और आयरन भी होता है। यह मसल हेल्थ को सपोर्ट करने के अलावा एनर्जी लेवल को भी बढ़ावा देता है, साथ ही क्विनोआ से ओवरऑल न्यूट्रिशन भी मिलता है।

साल्मन मछली

ओमेगा 3 फैटी एसिड, खासतौर से ईपीए और डीएचए से भरपूर साल्मन मछली ब्रेन फंक्शन को बढ़ावा देती है। इन्फ्लेमेशन को कम करने के साथ यह हार्ट हेल्थ के लिए भी बेहद जरूरी होता है। यह हाई क्वालिटी प्रोटीन और जरूरी विटामिन जैसे ठ12 और विटामिन डी का बेहतरीन सोर्स माना जाता है।

ब्रेकफास्ट में शामिल करें ये सुपरफूड्स

ब्रेकफास्ट में एनर्जी और हेल्दी बनाने वाली बेरी स्मूदी और चिया सीड्स व पुडिंग। लंच और डिनर के लिए ग्रीन वेजिटेबल का सलाद, क्विनोआ आदि खाएं। स्नैक्स में खाएं नट्स और सीड्स, फल और योगर्ट

इन प्लांट बेस्ड फूड्स से शरीर को मिलेगा भरपूर प्रोटीन

शरीर के निर्माण में प्रोटीन बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्बोहाइड्रेट और फैट के साथ मिलकर यह मैक्रोन्यूट्रिएंट का काम करता है। यह हमारी बॉडी के लिए ऊर्जा का स्त्रोत है ऐसे में इसकी कमी होने पर शरीर में कई तरह की समस्याएं होने लगती है। जब शरीर में प्रोटीन की कमी होती है तब हाथ पैर की नसों में खून के थक्के जमने लगते हैं। यह थक्के यदि फेफड़ों तक पहुंच जाए तो पल्मोनरी एम्बोलिज्म या पीई का रूप ले सकता है। मसूर, चना और बीन्स प्लांट बेस्ड प्रोटीन का बेहतरीन सोर्स होते हैं। प्रोटीन के अलावा इनमें विटामिन और भरपूर मात्रा में मिनरल्स भी मिलते हैं। यह पूरी तरह से प्रोटीन से भरपूर होता है। इसमें पूरे 9 अमीनो एसिड पाए जाते हैं। जो लोग वीगन डाइट फॉलो करते हैं या शाकाहारी होते हैं उनके लिए प्रोटीन प्राप्त करने का यह सबसे बढ़िया सोर्स होता है। सोयाबीन से बने यह प्रोटीन का बेहतरीन सोर्स होते हैं। इन्हें कई तरह के भोजन में इस्तेमाल किया जा सकता है। टोफू में प्रोटीन के अलावा कैल्शियम और मैग्नीशियम क्लोराइड होता है जो हड्डियों को मजबूत बनाता है। इसके अलावा इसमें एंटीऑक्सीडेंट भी होता है जो शरीर में पैदा होने वाले फ्री रेडिकल्स को नष्ट करता है। बादाम, चिया सीड्स, हेंप सीड्स और फ्लेक्स सीड्स में प्रोटीन के साथ हेल्दी फैट भी होता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व हृदय रोग या फिर स्ट्रोक के खतरे को कम करते हैं।

एड़ी से चोटी तक कहीं भी हो दर्द, ढूंढकर शांत करेगा ये पाउडर

जबतक जीवन रहेगा, तबतक दर्द रहेगा। दर्द से राहत पाने के लिए पेन किलर मेडिसिन का सेवन करना चाहिए। मगर बार–बार पेन किलर लेने से शरीर रेजिस्टेंट हो जाता है। कुछ टाइम बाद दवा बेअसर हो जाती है और डोज बढ़ानी पड़ती है। यह तरीका किडनी और लिवर पर प्रेशर डाल सकता है और उन्हें डैमेज कर सकता है। डॉक्टर के पास ऐसे कई सारे मरीज आते हैं।

शरीर के दर्द को दूर करने के लिए घरेलू उपाय अपना सकते हैं। यह नुकसानदायक नहीं होते हैं और समस्या की जड़ पर काम करते हैं। इनसे दर्द की मूल वजह को ठीक किया जाता है। जिससे आपको हमेशा के लिए आराम मिल जाए और दोबारा वो वजह मुश्किलों का कारण न बनें। डॉ. निशांत गुप्ता के मुताबिक तीन–चार घरेलू चीजों को मिलाकर दर्द की दवा बनाई जा सकती है। आपको अजवाइन, जीरा और सौंफ को बराबर मात्रा में लेना है। इन्हें अच्छी तरह भून लें और थोड़ी बहुत हरी इलायची मिला सकते हैं। अब सारी चीजों का बारीक पाउडर बना लें। रोज रात सोने से पहले एक चम्मच पाउडर पानी में मिलाकर लें।

दवा से कम नहीं ये वेजिटेरियन फूड्स, शुगर करते हैं कंट्रोल

यदि आप ब्लड शुगर के लेवल को प्राकृतिक रूप से प्रबंधित या कम करना चाहते हैं, तो अपने डाइट में कुछ शाकाहारी भोजन शामिल करना बहुत प्रभावी हो सकता है। ये खाद्य पदार्थ फाइबर, विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होते हैं, जो ब्लड शुगर के लेवल को नियंत्रित कर सकते हैं। पत्तेदार साग कैलोरी और कार्बोहाइड्रेट में कम होते हैं, जिससे वे ब्लड शुगर का प्रबंधन करने के लिए आदर्श होते हैं। पालक, केल, कोलार्ड साग, मेथी के पत्ते और सरसों के पत्ते जैसी सब्जियां फाइबर, एंटीऑक्सिडेंट और मैग्नीशियम से भरपूर होते हैं, जो सभी ब्लड शुगर के लेवल को कम करने और इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार करने में मदद करते हैं। दालें और फलियां जटिल कार्बोहाइड्रेट और पौधे–आधारित प्रोटीन का एक उत्कृष्ट स्रोत हैं। छोले, मसूर, काली बीन्स, किडनी बीन्स और मटर आदि घुलनशील फाइबर में उच्च होते हैं, जो रक्तप्रवाह में चीनी के अवशोषण को धीमा करता है और ब्लड शुगर के स्पाइक को रोकता है। साबुत अनाज फाइबर में समृद्ध होते हैं और उनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) कम होता है, जिसका अर्थ है कि वे ब्लड शुगर में तेजी से वृद्धि नहीं करते हैं।

चंद्रपाल ने दिया स्टुअर्ट ब्र०ड का उदाहरण

चंद्रपाल ने स्टुअर्ट ब्रॉड का उदाहरण देते हुए कहा कि इंग्लैंड का यह गेंदबाज ओवर में छह छक्के खाने के बाद 600 टेस्ट विकेट चटकाने में सफल रहा। उन्होंने कहा, 'हमने यश को समझाया कि ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, और यह आखिरी बार भी नहीं होगा। युवराज सिंह ने स्टुअर्ट ब्रॉड पर छह छक्के मारे और ब्रॉड सर्वकालिक महान तेज गेंदबाजों में से एक बन कर उभरे।'

रिंकू सिंह, रिंकू सिंह, पांच छक्के...

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। चंद्रपाल दयाल ने लगभग एक साल तक दोपहर में अपने घर से बाहर निकलना छोड़ दिया था क्योंकि इंडियन प्रीमियर लीग में उनके बेटे यश दयाल के खिलाफ रिंकू सिंह के बल्ले से निकले लगातार पांच छक्कों के बाद उन्हें स्कूल के बच्चों के ताने सुनने पड़ते थे। प्रयागराज के कर्बला मस्जिद के पास स्थित उनके घर के पास से दोपहर के समय जब स्कूल की बस गुजरती थी जो बच्चे 'रिंकू सिंह.... रिंकू सिंह .... पांच छक्के.....पांच छक्के' का नारा लगाते हुए जाते थे। बच्चों का यह बर्ताव चंद्रपाल को अहमदाबाद की उस निराशाजनक शाम की यादों को ताजा कर देता था। इस एक ओवर के बाद जहां रिंकू सिंह राष्ट्रीय नायक बन कर उभरे वही यश दयाल को चुनौतीपूर्ण समय का सामना करना पड़ा था। इलाहाबाद में महालेखाकार कार्यालय के सेवानिवृत्त अधिकारी चंद्रपाल की आवाज 2023 की उस घटना को याद कर रुंध गई। उन्होंने कहा, 'हमारे लिए वो एक हादसा था।' उन्होंने कहा, 'जब भी यहां से स्कूल बस गुजरती तो बच्चे चिल्लाते थे, 'रिंकू सिंह, रिंकू सिंह, पांच छक्के।' यह बहुत पीड़ादायक था – मेरे बेटे के साथ ऐसा क्यों हुआ?' खेल हालांकि हमेशा वापसी का मौका देता है।

दलीप ट्रॉफी में होगी रिंकू सिंह की एंट्री

क्रिकेट

दलीप ट्रॉफी की 3 टीमों में बड़ा बदलाव, बल्लेबाज सुयष प्रभुदेसाई को भी मौका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय घरेलू रेड बॉल टूर्नामेंट दलीप ट्रॉफी का आगाज 5 सितंबर से हो चुका है। वहीं 19 सितंबर से भारत और बांग्लादेश के बीच घरेलू 2 मैच की टेस्ट सीरीज भी खेली जानी है। बीसीसीआई ने हाल ही में पहले टेस्ट के लिए भारतीय स्क्वाड का भी ऐलान किया है। भारतीय स्क्वाड के तमाम प्लेयर्स दलीप ट्रॉफी के पहले राउंड का हिस्सा थे। लेकिन टीम अनाउंस होने के बाद अब दलीप ट्रॉफी की टीमों में भारी बदलाव हुए हैं। ऐसे में इंडिया बी में अब भारत के विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह को जगह मिली है।

भारत बी के यशस्वी जायसवाल और ऋषभ पंत को भारत की टीम में शामिल किया गया है और चयनकर्ताओं ने उनकी जगह क्रमशः सुयश प्रभुदेसाई और रिंकू सिंह को शामिल किया है। तेज गेंदबाज यश दयाल को पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है जबकि सरफराज खान, जिन्हें भी भारत की टीम में शामिल किया गया है, दूसरे दौर के मैच में खेलेंगे। हिमांशु मंत्री (मध्य प्रदेश सीए) को टीम में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट की पुरुष चयन समिति ने 12 सितंबर से अनंतपुर में शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी के दूसरे दौर के लिए कुछ बदलावों की घोषणा की है।

भारत ए के कप्तान शुभमन गिल, केएल राहुल, ध्रुव जुरेल, कुलदीप यादव और आकाश दीप को बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के लिए भारत की टेस्ट टीम में शामिल किया गया है और वे आगामी दौर में नहीं खेलेंगे। चयनकर्ताओं ने गिल की जगह प्रथम सिंह (रेलवे), केएल राहुल की जगह अक्षय वाडकर (विदर्भ सीए) और जुरेल की जगह एसके रशीद (आंध्र सीए) को टीम में शामिल किया है। बाएं हाथ के स्पिनर शम्स मुलानी टीम में कुलदीप की जगह लेंगे जबकि आकिब खान (यूपीसीए) टीम में आकाशदीप की जगह लेंगे।

मयंक अग्रवाल को इंडिया ए का कप्तान बनाया गया है। अक्षर पटेल टीम डी से टीम इंडिया में शामिल होंगे, इसलिए उनकी जगह निशांत सिंधु (हरियाणा क्रिकेट संघ) को शामिल किया जाएगा। तुषार देशपांडे चोट के कारण दूसरे दौर से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह इंडिया ए के विदवथ कवरप्पा को शामिल किया जाएगा। बता दें कि इंडिया सी में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

मुशीर खान को मिलेगा शानदार प्रदर्शन का तोहफा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। युवा ऑलराउंडर मुशीर खान का फर्स्ट–क्लास सीजन शानदार रहा है। रणजी क्वार्टरफाइनल में दोहरा शतक और फाइनल में शतक जड़ने वाले मुशीर खान ने दलीप ट्रॉफी के पहले ही मैच में शतक ठोक दिया। इंडिया ए के खिलाफ इंडिया बी के लिए 181 रनों की पारी खेली। यह पारी उनके बल्ले से उस समय निकली जब टीम ने 94 रन पर 7 विकेट खो दिए थे। इससे पहले अंडर–19 वर्ल्ड कप में भी मुशीर ने दो शतक ठोके थे। 19 साल के मुशीर खान का ऑस्ट्रेलिया जाना तय माना जा रहा है। भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नवंबर से टेस्ट सीरीज खेलनी है। उस सीरीज से पहले इंडिया ए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। वहां ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दो चार दिवसीय मैच खेलने है। 31 अक्टूबर से इस दौरे की शुरुआत होगी। मानें तो मुशीर इंडिया ए टीम का हिस्सा रहेंगे।

हाइट का मजाक बनने से लेकर पैरालंपिक गोल्ड तक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। पेरिस पैरालंपिक 2024 भारत के लिए शानदार रहा। भारत ने इस पैरालंपिक में कुल 29 मेडल जीते, जिसमें 7 गोल्ड, 9 सिल्वर और 13 ब्रॉन्ज मेडल शामिल है। 41 जैवलिन थ्रो में भारत के एथलीट नवदीप सिंह ने गोल्ड मेडल जीता। हालांकि पहले उन्होंने सिल्वर ही जीता था। लेकिन गोल्ड मेडल जीतने वाले इरानी एथलीट को फ्लैग विवाद के बाद डिसक्वालीफाई कर दिया गया, जिसके चलते नवदीप को गोल्ड मेडल दिया गया। आइये ऐसे में भारत को 7वां गोल्ड मेडल जिताने वाले नवदीप के बारे में विस्तार से जानते हैं। हमने आईएएस ऑफिसर, आईआईटी ग्रेजुएट और पीएचडी वालों को भारत के लिए

■इनकम टैक्स इंस्पेक्टर हैं नवदीप सिंह

पैरालंपिक में पदक जीतते देखा है। लेकिन अब इस लिस्ट में इनकम टैक्स इंस्पेक्टर का नाम भी जुड़ गया है। जी हां, भारत के लिए जैवलिन थ्रो में गोल्ड मेडल जीतने वाले पैरा एथलीट नवदीप सिंह इनकम टैक्स डिपार्टमेंट में बतौर इंस्पेक्टर काम कर रहे है। उनकी पोस्टिंग इस वक्त बेंगलुरु में चल रही है। बता दें कि नवदीप का जन्म जाट तोमर मिडल क्लास फैमिली में हुआ था। वह पानीपत, हरियाणा के रहने वाले हैं। उनके पिता किसान हैं और उनकी खुद की एक मिल्क डेयरी भी है। 23 साल के नवदीप सिंह छोटी हाइट के साथ ही पैदा हुए थे। वह 4 फीट 4 इंच के हैं। उनको छोटी हाइट को लेकर कुछ लोग चिढ़ाया भी करते थेय। हालांकि इससे उनका हौसला नहीं टूटा। नवदीप ने कभी हार नहीं मानी और एथलेटिक्स के लिए अपना जुनून जारी रखा। नवदीप ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के श्री वेंकटेश्वरा कॉलेज से बीए हिंदी की पढ़ाई की है। स्पोर्ट्स नवदीप के खून में हमेशा से रहा है। उनके पिता नेशनल लेवल के रेसलर रह चुके हैं। 2017 में एशियन यूथ पैरा गेम्स में नवदीप ने गोल्ड जीता था। कुल मिलाकर नेशनल लेवल पर सिंह ने 5 गोल्ड मेडल जीते हैं। वहीं इंटरनेशनल लेवल पर भी उन्हें सफलता मिली है। सिर्फ पैरालंपिक ही नहीं बल्कि नवदीप ने वर्ल्ड ग्रैंड प्रिक्स 2021 में गोल्ड और वर्ल्ड चैंपियनशिप 2024 में ब्रॉन्ज मेडल भी जीता है।

न्यूज डायरी

जसप्रीत बुमराह को पसंद नहीं आया था अपना इंट्रो, बता दिया था गलत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। जसप्रीत बुमराह को वर्तमान समय में दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेटर कहा जाए तो गलत नहीं होगा। फॉर्मेट चाहे जो भी हो, हर बल्लेबाज बुमराह से खौफ खाता है। टी20 वर्ल्ड कप में 2024 में बुमराह ने 4.17 की इकोनॉमी से रन दिए थे। आज के समय में बड़े–बड़े गेंदबाजों की वनडे इकोनॉमी इससे खराब है। बल्लेबाज बुमराह के खिलाफ रन बनाने से ज्यादा विकेट बचाने की कोशिश करते हैं। जसप्रीत बुमराह ने 2013 में आईपीएल डेब्यू किया था। उस समय उनकी उम्र 19 साल थी। वह मुंबई की स्काउट टीम की खोज थे। अपने यूनिक एक्शन की वजह से शुरुआत में ही बुमराह चर्चा में आ गए थे। अब मुंबई इंडियंस ने उसी समय का एक वीडियो शेयर किया है। इसमें बुमराह के नाम के आगे राइम आर्म मीडियम लिखा था। वह इससे खुश नजर नहीं आ रहे हैं। वीडियो में बुमराह बोल रहे हैं– पर ये गलत है ना। राइट आर्म मीडियम नहीं है ना, राइट आर्म फास्ट। जसप्रीत बुमराह ने रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ आईपीएल 2013 में डेब्यू किया था। उनके सामने वर्ल्ड क्रिकेट में अपनी धाक जमा चुके विराट कोहली थे। विराट ने बुमराह को पहले चार गेंद पर तीन चौके मार दिए। बुमराह को रनअप में दिक्कत हो रही थी। रनअप के पास रेत डाला गया और अगली ही गेंद पर विराट कोहली को एलबीडब्ल्यू करके पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। जसप्रीत बुमराह को 2016 के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत के लिए डेब्यू का मौका मिला था।

भारत के खिलाफ ओपनिंग नहीं करेंगे स्टीव स्मिथ, ऑस्ट्रेलिया बदलेगा अपना प्लान?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। डेविड वॉर्नर ने पिछले साल की शुरुआत में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उनके संन्यास के बाद स्टीव स्मिथ को टेस्ट में टीम का नया ओपनर बनाया गया। स्मिथ मध्यक्रम में बल्लेबाज करते थे। ओपनर के रूप में उनका प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा। सलामी बल्लेबाज करते हुए स्मिथ ने 8 पारियां खेली हैं। इसमें उन्होंने 28.5 की औसत से 171 रन बनाए हैं। इसमें एक ही पारी में 91 रन हैं। वहीं नंबर तीन से नंबर 5 के बीच बल्लेबाजी करते हुए उनका औसत 55 से ऊपर का है। ऑस्ट्रेलिया को भारत के खिलाफ पिछले दो घरेलू टेस्ट सीरीज में हार मिली थी। इस बार ऑस्ट्रेलिया की टीम रिस्क लेने को मूड में नहीं दिख रही है। ऑस्ट्रेलिया की सेन न्यूज की रिपोर्ट को मानें तो स्टीव स्मिथ भारत के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में ओपनिंग नहीं करेंगे। वह अपने पुराने स्थान नंबर–4 पर खेलते नजर आ सकते हैं। नंबर चार पर स्मिथ ने 61.51 की औसत से 5966 रन बनाए हैं। स्मिथ के ओपनर बनने के बाद कैमरून ग्रीन नंबर–4 पर खेलते हैं। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड से भी इस बारे में सवाल किया गया। अभी तक फाइनल फैसला नहीं लिया गया है कि लेकिन टीम के अंदर स्मिथ की बल्लेबाजी क्रम को लेकर चर्चा है।

वो तीन कारण क्यों यश दयाल को टीम इंडिया में चुना जाना सही फैसला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। यश दयाल ने दलीप ट्रॉफी मैच में इंडिया बी की इंडिया ए पर 76 रन की जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने दूसरी पारी में मयंक अग्रवाल, रियान पराग और ध्रुव जुरेल के विकेट चटकाए और दबाव में शानदार गेंदबाजी का नमूना पेश किया। यश के लिए हालांकि भारतीय प्लेइंग इलेवन में जगह बनाना आसान नहीं होगा क्योंकि घरेलू मैदान पर टीम आमतौर पर दो तेज गेंदबाजों के साथ उतरती है। मोहम्मद सिराज अगर चोट से उबरने में नाकाम रहे तो यश को मौका मिल सकता है। चलिए आपको वो तीन कारण बताते हैं क्यों यश दयाल को बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में चुनना एक बेहतर फैसला है। यश दयाल का घरेलू रिकॉर्ड उनके टैलेंट को चीख–चीखकर बयां करता है। 2018 में अपने प्रथम श्रेणी करियर की शुरुआत करने के बाद से वह 24 मैच में 76 विकेट चटका चुके हैं। लगातार रेड बॉल क्रिकेट में उनकी विकेट टेकिंग क्षमता बताती है कि वह टेस्ट फॉर्मेट में सफल साबित होंगे। दलीप ट्रॉफी में भी उन्होंने बल्लेबाजों को अपनी पेस और लाइन–लैंथ से प्रभावित किया था। यश दयाल के सिलेक्शन को सही साबित करने में एक बड़ा कारण उनका हालिया फॉर्म भी है। आईपीएल 2023 में रिंकू सिंह से लगातार पांच छक्के खाने के बाद दयाल ने जबरदस्त वापसी की।

पं.गोविन्द बल्लभ पंत की जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि देते हुए सीएम धामी।

हमारा दून

संक्षिप्त समाचार

सीएम ने पं.गोविन्द बल्लभ पंत की जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि दी

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास में भारत रत्न पं.गोविन्द बल्लभ पंत की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पं. गोविन्द बल्लभ पंत महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, देशभक्त, समाजसेवी तथा कुशल प्रशासक थे। उन्होंने हिन्दी को राजभाषा के रूप में प्रतिष्ठित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री एवं देश के गृहमंत्री रहते उन्होंने आधुनिक भारत के निर्माण में अहम योगदान दिया ।

जिलाधिकारी के निर्देश पर पात्र लाभार्थी के खाते में आई 08 माह से रूकी पेंशन

संवाददाता देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल ने जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय के औचक निरीक्षण के दौरान कार्यालय में दूर–दराज से आए लाभार्थियों से मिले तथा उनका कार्यालय आने का कारण पूछा। जिनमें रायपुर ब्लॉक भगत सिंह कालोनी से इजाजुदीन अपनी दिव्यांग पुत्री फरहाना, जिनकी भरण–पोषण पेंशन आठ माह से रूकी हुई थी, ने जिलाधिकारी को अपनी व्यथा सुनाई जिस पर जिलाधिकारी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को त्वरित कार्यवाही के निर्देश देते हुए पेंशन शाम तक भुगतान करने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को जनमानस की समस्या के निस्तारण के निर्देश

संवाददाता देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल ने अपने कार्यालय कक्ष में जनमानस की समस्या को सुना। उन्होंने सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को जनमानस की समस्या के निस्तारण के निर्देश दिए। शिकायतों के निस्तारण के सम्बन्ध में दूरभाष पर भी निर्देशित किया गया।

प0 गोविन्द बल्लभ पंत की जयंती पर कलेक्ट्रेट में आयोजित हुए कार्यक्रम

संवाददाता देहरादून। भारतरत्न प0 गोविन्द बल्लभ पंत जी की 137वीं जयंती के अवसर पर मंगलवार को ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी सविन बंसल ने अधिकारी/कर्मचारियों के साथ भारतरत्न प0 गोविन्द बल्लब पंत के चित्र पर माल्यार्पण किया तथा कार्मिकों को द्वारा पुष्प अर्पण किए गए। जिलाधिकारी ने भारतरत्न प0 गोविन्द बल्लब पंत के जीवन दर्शन, देश की स्वतंत्रता, तथा देश की सामाजिक एवं राजनैतिक, आर्थिक प्रगति में उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन युवा पीढी के मागदर्शन एवं व्यक्तिव के विकास में सदैव प्रेरणास्त्रोत है।

अटल भूजल योजना का मुख्य उद्देश्य जमीनी स्तर पर व्यवहार में बदलाव लाना

निर्देश

- अटल भूजल योजना के क्रियान्वयन के लिए स्टेट लेवल स्टीयरिंग कमेटी का गठन
- सामुदायिक नेतृत्व व भागीदारी से स्थायी भूजल प्रबंधन में सुधार किया जाएगाः सीएस

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने अटल भूजल योजना के तहत राज्य के तीन जल संकटग्रस्त जनपदों चम्पावत, हरिद्वार व उधमसिंह नगर में जल बजटिंग व कार्यक्रम के स्थानीय स्तर पर कार्यान्वयन की देखरेख और विभिन्न राज्य एजेंसियों के बीच भूजल प्रबंधन के लिए समन्वय हेतु स्टेट लेवल स्टीयरिंग कमेटी गठित करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव द्वारा कमेटी में लघु सिचाई विभाग को नोडल विभाग बनाते हुए पेयजल व स्वच्छता, शहरी विकास, शहरी विकास, पंचायती राज, सिचाई, ग्राम्य विकास विभाग व स्प्रिंग एण्ड रिवर रिजूविनेशन प्राधिकरण को शामिल करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कमेटी को कार्यक्रम की नियमित रूप से मासिक समीक्षा के भी निर्देश दिए हैं। सीएस श्रीमती रतूड़ी ने नोडल विभाग को स्थानीय निकायों के स्तर पर मास्टर ट्रेनर्स नामित करने तथा उनके प्रशिक्षण हेतु आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। यह मास्टर ट्रेनर वाटर प्लान व बजटिंग बनाने में सहायता करेंगे।

अटल भूजल योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल देते हुए सीएस श्रीमती राधा रतूड़ी ने स्पष्ट किया है कि इस योजना का उद्देश्य मुख्य रूप से वर्तमान में संचालित विभिन्न केंद्रीय और राज्य योजनाओं के बीच कन्वर्जेंस के माध्यम से सामुदायिक नेतृत्व व भागीदारी से स्थायी भूजल प्रबंधन में सुधार करना है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि जागरूकता कार्यक्रमों और स्थायी भूजल प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए क्षमता निर्माण के माध्यम से सामुदायिक स्तर पर व्यवहार में बदलाव लाने के लिए कार्य किए जाए। मुख्य सचिव ने जिलों में समुदायों और पंचायतों की विभिन्न गतिविधियों जैसे वाटर यूजर एसोसिएशन का गठन/मजबूती, भूजल आंकड़ों की निगरानी और प्रसार, जल बजट और ग्राम पंचायतवार जल सुरक्षा योजनाओं (डब्ल्यूएसपी) की तैयारी और उनके कार्यान्वयन में सक्रिय भागीदारी हेतु निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने कहा कि अटल भूजल योजना का एक मुख्य उद्देश्य जमीनी स्तर पर व्यवहार में बदलाव लाना है। इसके लिए जल बजट और वाटर सिक्योरिटी प्लान तैयार करते समय जल उपलब्धता और उपयोग जैसे जल संबंधी डेटा का उपयोग किया जाएगा। ये योजनाएँ सामुदायिक भागीदारी से तैयार की जाएंगी और योजना में इस्तेमाल किए गए डेटा को पूरे समुदाय तक पहुँचाया जाएगा। इसके अलावा, जल संबंधी डेटा को बेहतर बनाने के लिए डिजिटल वाटर लेवल रिकॉर्डर (डीडब्ल्यूएलआर), वाटर लेवल साउंडर, रेन गेज, वाटर फ्लो मीटर जैसे विभिन्न उपकरण लगाए जाएंगे। इसके अलावा, भारत सरकार राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना के तहत सतही और भूजल दोनों के लिए विभिन्न रियल टाइम डेटा अधिग्रहण प्रणाली (आरटीडीएएस) भी स्थापित कर रही है।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार की अटल भूजल योजना के तहत पंचायत स्तर के वाटर यूजर एसोसिएशन में जल बजट और वाटर सिक्योरिटी प्लान अभ्यास में महिलाओं की भागीदारी कम से कम 33 प्रतिशत रखी गई है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में मौजूदा ग्राम जल और स्वच्छता समिति का विस्तार किया गया है और उनका सहयोग इस कार्यक्रम में लिया जा रहा है।

चम्पावत, हरिद्वार व उधमसिंह नगर में अटल भूजल योजना

मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने जल संकटग्रस्त जनपदों चम्पावत, हरिद्वार व उधमसिंह नगर में अटल भूजल योजना के तहत कैच द रैन, अमृतसरोवर, स्प्रिंग एण्ड रिवर रिजूविनेशन प्राधिकरण की गतिविधियों को भी शामिल करने के निर्देश दिए हैं।

प्रदेश भर में बच्चों को खिलाई गई कृमि नाशक दवाई

शुभारंभ

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम

संवाददाता

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस
शुभारम्भ
10 सितम्बर 2024
समय: 11:00 बजे

देहरादून। उत्तराखंड में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्रीमती स्वाति एस. भदौरिया, मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा गांधी इंटरमीडिएट कॉलेज के छात्रों को कृमि मुक्ति की दवाई खिलाकर राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस की शुरुआत की गई।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा उद्घाटन कार्यक्रम देहरादून स्थित शासकीय स्कूल गांधी इंटरमीडिएट कॉलेज में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्रों को कृमि मुक्ति की दवाइयां खिलाई गई व बच्चों को स्वास्थ्य और स्वच्छता के महत्व पर जागरूक किया गया।

उद्घाटन समारोह में स्वाति एस. भदौरिया, मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला और बच्चों के स्वास्थ्य की स्थिति सुधारने के लिए सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों का जिक्र किया। उन्होंने कृमि संक्रमण के दुष्प्रभावों को समझाते हुए, सभी बच्चों को समय पर दवाइयां लेने और स्वच्छता के आदतों को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, स्वास्थ्य विभाग बच्चों व किशोर किशोरियों के स्वास्थ्य को सुधारने के लिए लगातार प्रतिबद्ध है। स्वास्थ्य विभाग का लक्ष्य बीमारियां, संक्रमण और मृत्यु दर को कम करने के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना है। बच्चों व किशोर किशोरियों के बेहतर स्वास्थ्य व पोषण हेतु स्वास्थ्य विभाग लगातार राष्ट्रीय कार्यक्रमों का संचालन भारत सरकार के सहयोग से करता आ रहा है।

उन्होंने कहा कि, 'राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस' एक अहम कदम है बच्चों की एक तंदुरूस्त पीढ़ी के निर्माण के लिए जो शरीर और मन दोनो को स्वस्थ करने में मदद करता है।

सरकारी स्कूलों में सम्पर्क टीवी स्मार्ट स्कूल कार्यक्रम का होगा विस्तार

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास में सम्पर्क फाउंडेशन के संस्थापक चेयरमैन विनीत नायर ने भेंट की। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में शिक्षा में सुधार के लिए 4,337 सरकारी स्कूलों में सम्पर्क टीवी स्मार्ट स्कूल कार्यक्रम के विस्तार किया जायेगा। इससे प्रदेश के लगभग ढाई लाख बच्चों को सीधा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने सम्पर्क फाउंडेशन के संस्थापक चेयरमैन विनीत नायर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह एक सराहनीय पहल है। सरकार द्वारा शिक्षा में आधुनिक तकनीक के प्रयोग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सम्पर्क फाउंडेशन द्वारा सरकारी स्कूलों में बच्चों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर आधारित कोर्स पर शैक्षिक वीडियो के माध्यम से शानदार सामग्री तय की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं।

In a Digital World Why
To wait for a Howker

Visit Us at https://www.page3news.co.

Supporting Devices
All Apple Touch Phones & Tablets
All Android Touch Phones & Tablets
All Window & BlackBerry Touch Phones 10+

Scan This Code

Read News
Watch News Channel

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिटर्स,74/9,आराघर,देहरादून
से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून
ही मान्य होगा।